

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सौश्रुतम-2026का किया उदघाटन, आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा में वैज्ञानिक शोध और नैतिकता पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी) भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को सुश्रुत जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सौश्रुतम्-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के नए एमआरआई सेक्शन का भी लोकार्पण किया। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने शल्य चिकित्सा के जनक माने जाने वाले आचार्य सुश्रुत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सदियों पहले उनके द्वारा विकसित शल्य चिकित्सा पद्धति अपने समय की एक क्रांतिकारी उपलब्धि थी। उन्होंने कहा कि आचार्य सुश्रुत ने प्लास्टिक सर्जरी, मोतियाबिंद ऑपरेशन, व्युमर उपचार तथा ईएनटी सर्जरी सहित अनेक जटिल शल्य प्रक्रियाओं का विकास किया , जिनका उल्लेख उनकी अमर कृति सुश्रुत संहिता में मिलता है। यह ग्रंथ न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के चिकित्सा विज्ञान को नई दिशा देने वाला सिद्ध हुआ।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाना समय की आवश्यकता है। आयुर्वेद की समग्र जी वन-दृष्टि मानव कल्याण के लिए अत्यंत उपयोगी है और इसे वर्तमान समय के अनुरूप अधिक प्रभावी एवं प्रासंगिक बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आयुर्वेद और योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है तथा अब आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा को भी वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि मानकीकृत दस्तावेजीकरण, डिजिटल हेल्थ प्रणाली के साथ एकीकरण तथा आधुनिक अनुसंधान तकनीकों के उपयोग से आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक स्वीकृति मिल सकेगी।

युवा विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद का भविष्य उनके हाथों में है। उन्होंने उन्हें



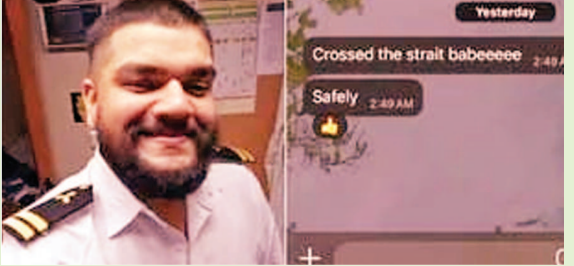
जिज्ञासा , सत्यनिष्ठा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुसंधान करने तथा अपने क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक साध्य विकसित करने का आह्वान कि या। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यक हो, वहां नई तकनीकों को अपनाने में संकोच नहीं करना चाहिए।राष्ट्रपति ने युवा चिकित्सकों और शोधकर्ताओं से आचार्य सुश्रुत के आदर्शों पर चलते हुए चिकित्सा में नैतिक मूल्यों तथा रोगियों के प्रति करुणामय सेवा के संकल्प पर सदैव अडिग रहने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सौश्रुतम्-2026में होने वाले विचार-विमर्श से नए ज्ञान का सृजन होगा और आयुर्वेदिक

शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई मजबूती मिलेगी।अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत सहित विभिन्न देशों के प्रसिद्ध सर्जन, शिक्षाविद, वैज्ञानिक और शोधकर्ता भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के दौरान आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा के नवीन शोध, आधुनिक तकनीकों के समावेशन तथा वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे आयोजन समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आयुर्वेद की भूमिका को और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।



ईरानी हमले में भारतीय मरीन इंजीनियर की मौत, परिवार को भेजा था आखिरी संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी) होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए ईरानी हमले में भारतीय मरीन इंजीनियर हेरंब करमरकर की



मौत हो गई। वह साइप्रस के झंडे वाले मर्चेंट जहाज GFX Galaxy पर तैनात थे। जहाज ओमान तट के समीप से गुजर रहा था, तभी उस पर हमला हुआ। महाराष्ट्र के पुणे निवासी हेरंब करमरकर ने हादसे से कुछ समय पहले अपने परिवार को संदेश भेजकर बताया था कि जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। यही संदेश परिवार के साथ उनकी आखिरी बातचीत साबित हुआ। बुधवार को परिजनों ने उनकी मौत की पुष्टि की।विदेश मंत्रालय के अनुसार, जहाज पर कई भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि एक अन्य भारतीय अब भी लापता है। भारतीय दूतावास और संबंधित एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।हेरंब के ससुर ने केंद्र सरकार से उनके पार्थिव शरीर को जल्द भारत लाने की अपील की है, ताकि अंतिम संस्कार पूरे सम्मान के साथ किया जा सके।इस घटना पर भारत सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वाणिज्यिक जहाजों पर हो रहे हमलों की निंदा की है। ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच'एक्स' पर जानकारी दी कि वह ओमान प्रशासन, जहाज प्रबंधन और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार संपर्क में है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को कैबिनेट की मंजूरी, 1.27 लाख करोड़ रुपये होंगे खर्च



नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्र सरकार ने देश को सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन(आईएसएम) 2.0'को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 1.27लाख करोड़ रुपये के व्यय को स्वीकृति प्रदान कीगई।केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नई योजना के माध्यम से देश में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही योजना की अवधि के दौरान करीब 2लाख करोड़ रुपये मूल्य के सेमीकंडक्टर उत्पादन का अनुमान है। सरकार के अनुसार, सेमीकोंन 2.0के तहत केवल चिप निर्माण ही नहीं, बल्कि सेमीकंडक्टर उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला को विकसित किया जाएगा। इसमें खनिज, गैस और अन्य कच्चे माल की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को भी प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया गया

है। मंत्री वैष्णव ने कहा कि इस मिशन के छह प्रमुख स्तंभ होंगे, जिनमें पहला स्तंभ स्वदेशी चिप डिजाइन पर केंद्रित रहेगा। योजना का उद्देश्य भारत में चिप के डिजाइन, विकास और निर्माण की पूरी क्षमता विकसित करना है, ताकि भविष्य में देश इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।उन्होंने बताया कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0के लिए सरकार ने 76हजार करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जिसके तहत लगभग 1.64 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें सबसे अधिक निवेश टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और उसकी सेमीकंडक्टर इकाई की ओर से किया गया है।सरकार का मानना है कि नई योजना वैश्विक स्तर पर चिप की बढ़ती मांग, विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित उपकरणों के लिए आवश्यक सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित कर सकेगा।

हंगामा करने से बड़ा नेता नहीं बनते, अध्यक्ष और संवाद से बनती है पहचान: ओम बिरला

जयपुर (एजेंसी) राजस्थान विधानसभा के 75वर्ष पूर्े होने पर आयोजित अमृत महोत्सव के उद्घाटन समारोह



में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय मर्यादाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर देते हुए कहा कि वेल में आकर हंगामा करने से कोई बड़ा नेता नहीं बनता. सदन में दिए गए सार्थक भाषण और तर्कपूर्ण बहस ही जनप्रतिनिधि की वास्तविक पहचान बनते हैं. राजस्थान विधानसभा लोकतांत्रिक संस्कारों, संवाद और सहमति की सबसे बड़ी पाठशाला रही है. विधायक जितना अधिक अध्ययन करेंगे, सुनेंगे और विषयों की गहराई समझेंगे, उतना ही प्रभावी ढंग से जनता की आवाज सदन में उठा सकेंगे. सदन में दिए गए भाषण वर्षों तक पढ़े और याद किए जाते हैं, इसलिए जनप्रतिनिधियों को मर्यादित और तथ्यपरक बहस की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए.लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार

साथ जनप्रतिनिधियों और शासन, दोनों को अधिक जवाबदेह बनना होगा और अध्ययन, संवाद और मर्यादित बहस की परंपरा को आगे बढ़ाकर लोकतंत्र को और मजबूत करना होगा.अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा का गौरवशाली इतिहास हम सभी के लिए गर्व का विषय है. 1952 से अब तक पूर्व और वर्तमान सभी जनप्रतिनिधियों ने राज्य के विकास की मजबूत नींव रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. लोकतंत्र हमारी अटूट आस्था और जनतंत्र की आकांक्षाओं का उत्सव है. राजस्थान की 8करोड़ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हर जनप्रतिनिधि का दायित्व है. उन्होंने सत्ता और विपक्ष से जनहित के मुद्दों पर मिलकर काम करने की अपील करते हुए कहा कि मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जनहित हमेशा सर्वोपरि होना चाहिए.सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन का हर मिनट जनता के हित में उपयोग होना चाहिए और विधायकों को अधिक समय देकर जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए . लोकतंत्र में सरकारें बदलती हैं, लेकिन जनसेवा का संकल्प कभी नहीं बदलता. संविधान, सुशासन, जनकल्याण और विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं. मुख्यमंत्री ने नई पीढ़ी को संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि पूर्व जनप्रतिनिधियों का अनुभव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है.

महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल: फडणवीस से एनसीपी के दोनों गुटों की मुलाकात, अटकलें तेज

मुंबई (एजेंसी) महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल



तेज हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने आधिकारिक आवास'वर्षा' पर सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और शरद पवार गुट (एनसीपी-एसपी) के नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की। इन बैठकों के बाद राज्य में राजनीतिक समीकरण बदलने और एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है।

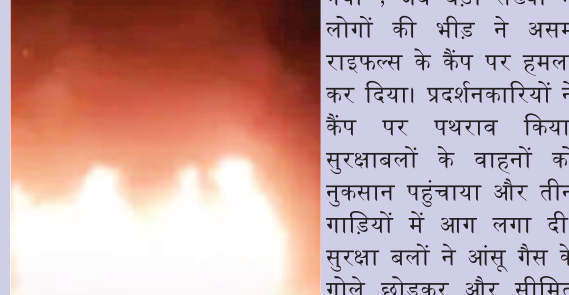
सूत्रों के अनुसार, एनसीपी (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल ने मंगलवार देर रात

मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि बैठक में सांगली जिले की उरण-इस्लामपुर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े स्थानीय मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि, इस मुलाकात के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। इसी दिन सत्तारूढ़ एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने भी मुख्यमंत्री से अलग से मुलाकात की। हालांकि, दोनों बैठकों को एक-दूसरे से जोड़ने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित नेताओं ने इस पर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है।इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने दावा किया है कि केंद्र सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में प्रस्तावित संविधान(131वां संशोधन) विधेयक को पारित करने के लिए एनसीपी (एसपी) और डीएमके जैसे दलों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है।सरकार 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में यह विधेयक पेश करने की तैयारी में है। प्रस्तावित संशोधन के तहत लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850करने और नए परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने का प्रावधान किया गया है।

चिदंबरम ने सोशल मीडिया मंच'एक्स' पर जारी बयान में एनसीपी (एसपी) और डीएमके से इस विधेयक का समर्थन नहीं करने की अपील की।

मणिपुर में असम राइफलस कैंप पर हमला, भीड़ ने वाहनों में लगाई आग

इंफाल (एजेंसी) मणिपुर के सेनापति जिले में मंगलवार रात उस समय तनाव फैल



गया , जब बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ ने असम राइफलस के कैंप पर हमला कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने कैंप पर पथराव किया, सुरक्षाबलों के वाहनों को नुकसान पहुंचाया और तीन गाड़ियों में आग लगा दी। सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़कर और सीमित बल प्रयोग कर देर रात तक स्थिति पर नियंत्रण पाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।रक्षा अधिकारियों के अनुसार , यह घटनाक्रम उस तलाशी अभियान के कुछ घंटों बाद हुआ , जिसे असम राइफलस ने विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर सेनापति जिले के मकुइलोंगडी क्षेत्र में चलाया था। जानकारी मिली थी कि एनएससीएन (आईएम) के कुछ हथियारबंद कैडर निर्धारित शिविर से बाहर हथियार और वर्दी के साथ घूम रहे हैं, जो युद्धविराम समझौते के नियमों का उल्लंघन है।तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के गांव पहुंचने पर कुछ स्थानीय लोगों ने उनका विरोध किया। इसके बाद देर शाम सूचना मिली कि बड़ी संख्या में लोग सेनापति शहर में एकत्र होकर असम राइफलस कैंप की ओर बढ़ रहे हैं। रात करीब साढ़े नौ बजे भीड़ कैंप पहुंची और पथराव के साथ तोड़फोड़ शुरू कर दी।

पंजाब कांग्रेस में दरार: भूपेश बघेल ने पार्टी हाईकमान को रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली (एजेंसी) पंजाब कांग्रेस के प्रदेश ने ताओं में चल रही

अंदरूनी लड़ाई के बीच, पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने बुधवार को इस मामले पर पार्टी हाईकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपी.यह नया डेवलपमेंट उनके हाल के पंजाब दौरे के बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, मनमुटाव दूर करने और सबको एक साथ रखने के लिए प्रदेश युनिट के नेताओं से बातचीत की थी. 117 सदस्यों वाली पंजाब विधानसभा के चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने हैं.खास बात यह है कि इस महीने की शुरुआत में पार्टी हाईकमान द्वारा आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव कमेटियां बनाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के बीच अनबन सामने आई है. कांग्रेस ने चन्नी को कैपेन कमेटी का चेयरपर्सन बनाया . पार्टी ने तब साफ कहा कि वारिंग पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष बने रहेंगे. इससे चन्नी के समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया है, जो उन्हें पार्टी की राज्य इकाई का प्रमुख बनाने की मांग कर रहे हैं.कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल से उनके घर पर मिलने के बाद



मीडिया से बात करते हुए पंजाब के कांग्रेस प्रभारी बघेल ने कहा, मैंने पंजाब का छह दिन का दौरा किया और वहां के सभी नेताओं से मुलाकात की. मैंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों के साथ आमने-सामने बैठकें कीं और सभी से नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने पर मुलाकात की . मैंने इस बारे में रिपोर्ट केसी वेणुगोपाल को सौंप दी है. रिपोर्ट में की गई किसी भी सिफारिश के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया. राज्य नेतृत्व में किसी भी बदलाव के बारे में पूछे जाने पर बघेल ने स्पष्ट रूप से कहा, यह बच्चों का खेल नहीं है.

अमेरिका ने ईरान पर सुबह-सुबर किया हमला, 90मिनट तक चला हमला

तेहरान (एजेंसी)

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज करते हुए बुधवार को पहली बार दिन के उजाले में बमबारी की। 28 फरवरी से जारी संघर्ष के दौरान यह पहला अवसर है जब अमेरिकी सेना ने सुबह के समय हमला किया। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजे शुरू हुआ अभियान लगभग 90 मिनट तक चला और साढ़े सात बजे समाप्त हुआ।

अमेरिकी सेना के अनुसार इस कार्रवाई का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाने की ईरानी सैन्य क्षमता को कमजोर करना था। हमले में फारस की खाड़ी स्थित ग्रेटर तुनब द्वीप पर ईरान की तटीय रक्षा प्रणाली, कूज़ प्रक्षेपास्त्र भंडारण केंद्रों तथा प्रक्षेपण स्थलों को सटीक निशाना बनाया गया।

ग्रेटर तुनब होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट स्थित एक छोटा लेकिन सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण द्वीप है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र पर नियंत्रण से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक और नौसैनिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। वर्तमान में इस द्वीप का प्रशासन ईरान के पास है, जबकि संयुक्त अरब अमीरात भी इस पर अपना दावा करता है। इससे पहले अमेरिका ने ईरानी ठिकानों पर 13



प्रक्षेपास्त्र दागे थे, जिनमें सात ईरानी सैनिकों के मारे जाने की सूचना दी गई थी। बुधवार का हमला लगातार चार रातों तक चली गोलाबारी के कुछ घंटों बाद किया गया।

पिछले वर्ष ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने घोषणा की थी कि वह अब सूसा, ग्रेटर तुनब और लेसर तुनब द्वीपों पर अपनी सैन्य उपस्थिति और मजबूत कर रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची बुधवार को बिना किसी पूर्व घोषणा के कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। वे कतर के पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में आयोजित शोक समारोह में भाग लेने पहुंचे हैं। पूर्व अमीर का रविवार को 74वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

उल्लेखनीय है कि पूर्व अमीर के निधन वाले दिन ही ईरान ने कतर स्थित अल उदैद वायुसेना अड्डे पर हमला किया था, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया।

सूत्रों के अनुसार बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित रही। बताया गया कि ईरान के समन्वय के बिना जलडमरूमध्य से गुजरने का प्रयास कर रहे दो व्यापारिक जहाजों को चेतावनी स्वरूप गोलीबारी कर रोक दिया गया।

क्षेत्र में मौजूद अधिकांश व्यापारिक और नौसैनिक जहाज फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य, फारस की खाड़ी तथा ओमान की खाड़ी के विभिन्न लंगर स्थलों पर रुके हुए हैं।

इधर , अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी दोबारा शुरू किए जाने की भी खबरें सामने आई हैं, जिससे क्षेत्रीय समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

ईरान के सुप्रीम लीडर को लेकर ट्रंप का दावा, बोले वे 90 प्रतिशत खत्म हो चुके

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि मोजतबा लगभग 90प्रतिशत खत्म हो गए हैं। ट्रंप ने ये भी कहा कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान की सैन्य ताकत



पूरी तरह खत्म हो गई है और कई बड़े कमांडर मारे गए हैं। ट्रंप ने कहा, ईरान के पास न नौसना बची है, न वायुसेना।

ट्रंप ने कहा, उनके पास अब न नौसेना है, न वायुसेना। सब कुछ खत्म हो गया है। उनकी वायु रक्षा क्षमता भी खत्म हो चुकी है। उनके सभी बड़े नेता मारे जा चुके हैं। उसके कई बड़े सैन्य कमांडर मारे गए हैं। उनके सबसे अच्छे नेता अब नहीं रहे। खामेनेई खत्म हो गए हैं। उनके बेटे की भी 90प्रतिशत जान जा चुकी है।

28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल ने ईरान के राष्ट्रपति परिसर पर हमला किया था। इसमें तत्कालीन सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई मारे गए थे। इसी हमले में उनके बेटे मोजतबा गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें बाद में सर्वोच्च नेता चुना गया।हालांकि, इसके बाद से वे अब तक सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं। दावा किया जाता है कि हमलों में उनका एक हाथ और चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

ईरान के बाद अब यमन भी सरग्त, होर्मुज की तरह बाब-अल-मंडेब जलडमरु मध्य रुत को बंद करने की दी धमकी, आसमान छुएंगे तेल के दाम!

सना (एजेंसी)

अमेरिका और ईरान के बीच जंग एक बार फिर शुरू हो चुकी है, इसके कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर जहाजों का आवागमन रुक चुका है. जहाजों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, या फिर रात के अंधेरे में अपनी आवाजाही कर रहे हैं. तनाव बढ़ते के कारण कच्चे तेल का दाम बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुका है. वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जहाजों से 20फीसदी टैक्स वसूलने की बात कर रहे हैं. इससे अब तनाव गहराता जा रहा है. कच्चे तेल के दामों में उछाल देखने को मिल रहा है. इस बीच यमन ने भी धमकी दी है कि वह होर्मुज की तरह के एक अहम रास्ते को बंद कर देगा. इससे कच्चे तेल के दाम 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं. ऐसे में महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है. यमन ने धमकी दी है कि वह रणनीतिक तौर पर बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य को बंद कर देगा. बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य होर्मुज की तरह एक चेकपॉइंट है. यह जलमार्ग लाल सागर को अदन खाड़ी और हिंद महासागर से कनेक्ट करता है. अगर यह रास्ता बंद हो गया तो ग्लोबल शिपिंग का रास्ता रुक सकता है. कच्चे तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे. भारत के व्यापार मार्गों पर असर हो सकता है. यमन के अंसारुल्लाह आंदोलन के राजनीतिक व्यूराों के सदस्य मोहम्मद अल-फराह के अनुसार , अगर सऊदी अरब यमन के इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट करता है, तो बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य और होर्मुज



जलडमरूमध्य को बंद कर दिया जाएगा. अल-फराह के हवाले से कहा कि अगर मौजूदा हालात बिगड़ते हैं तो बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया जाएगा. ऐसे में तेल के दाम 200डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएंगे. यह एक भयानक झटका होगा. बाब अल-मंडेब, अरब प्रायद्वीप और अफ्रीका के हॉर्न के बीच एक अहम रणनीतिक समुद्री मार्ग बताया जाता है. यह लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से कनेक्ट करता है. यह दुनिया का सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग में से एक है. यह रास्ता स्वेज नहर के साउथ एंड्री गेट के तौर पर काम करता है. यह ग्लोबल समुद्री व्यापार का करीब 10 से 12फीसदी भाग है. इसमें

ग्लोबल एनर्जी शिपमेंट का एक खास भाग है.होर्मुज जलडमरूमध्य के बाद, भारत कच्चे तेल और एलएनजी के आयात को लेकर पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के कुछ भागों पर आश्रित है. निर्यात को लेकर यह मार्ग काफी अहम है. यहां से प्राइवेट और पब्लिक भारतीय रिफाइनर्स के जहाज नियमित रूप से गुजरते हैं. भारत के करीब 9.5 प्रतिशत का संचालन समुद्र के रास्ते होता है. ऐसे में बाब अल-मंडेब यूरोप, उत्तरी अमेरिका और उत्तरी अफ्रीका को निर्यात के लिए एक अहम एंड्री माना जाता है . स्वेज नहर और बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य मिलकर भारत के कुल विदेशी व्यापार का करीब 35 प्रतिशत आसान बनाते हैं.

अमेरिकी एफबीआई की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल हुआ भारती नीतीश कौशल

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करते हुए भारतीय मूल के 26वर्षीय नीतीश कौशल को संघीय जांच ब्यूरो(एफबीआई) की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल कर लिया है। एफबीआई ने उसे हथियारबंद, बेहद खतरनाक और फरार रहने वाला अपराधी बताया हुए आम लोगों से उसकी सूचना देने की अपील की है।एफबीआई के अनुसार, नीतीश कौशल उर्फ लाला पर हत्या, अपहरण, मादक पदार्थों की तस्करी, जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी, धन शोधन(मनी लॉन्ड्रिंग) और मानव तस्करी सहित कई गंभीर अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। एजेंसी का दावा है कि वह कुख्यात गैंगस्टर जगमू भगवानपुरिया के संगठित अपराध गिरोह से जुड़ा हुआ है।

एफबीआई ने बताया कि कौशल को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन का सदस्य होने के आरोप में बांछित घोषित किया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार, उसने भगवानपुरिया गिरोह के लिए अपहरण, मारपीट और अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया है। यह गिरोह मूल रूप से पंजाब से संबालित हुआ और बाद में अमेरिका के कैलिफोर्निया के मध्य क्षेत्र सहित अन्य स्थानों तक अपना नेटवर्क फैलाने में सफल रहा।

एफबीआई के अनुसार, 25 जून 2026 को अमेरिका के रैकेटीयर प्रभावित एवं भ्रष्ट संगठन अधिनियम(रिको) के तहत आपराधिक साजिश का मामला दर्ज होने के बाद लॉस एंजिल्स स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय ने नीतीश कौशल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

एफबीआई ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी के पास नीतीश कौशल के संबंध में कोई सूचना हो तो वह अपने निकटतम अमेरिकी दूतावास अथवा वाणिज्य दूतावास को इसकी जानकारी दे। अमेरिकी प्रवर्तन एजेंसियां इन दिनों ऑपरेशन हार्ड बॉल नामक विशेष अभियान चला रही हैं। इस अभियान का उद्देश्य अमेरिका



और भारत में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट के नेटवर्क को ध्वस्त करना है।एफबीआई के अनुसार, अभियान के तहत अब तक कैलिफोर्निया, इंडियाना, जॉर्जिया, कनाडा और स्पेन में 24 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जांच एजेंसियों ने इस अभियान के दौरान तीन प्रमुख आपराधिक गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें लॉरेंस बिश्रोई गिरोह, उसका प्रतिद्वंद्वी जगमू भगवानपुरिया गिरोह तथा रविंदर सिंह डांडा उर्फ रेडी, रोलेक्स और जॉन विक के नाम से पहचाना जाने वाला गिरोह शामिल है।एफबीआई का दावा है कि जगमू भगवानपुरिया फिलहाल भारत की एक जेल में बंद है। वह पहले लॉरेंस बिश्रोई का सहयोगी था, लेकिन बाद में दोनों के बीच दुश्मनी हो गई।

जांच एजेंसियों के अनुसार, भगवानपुरिया का अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड तक फैला हुआ है।

अमेरिका ने दी राहत, रूसी तेल खरीदने पर भारत-चीन पर 500नहीं 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा



वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी सीनेटरों ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक में बदलाव का प्रस्ताव रखा है, जिसका उद्देश्य भारत और चीन समेत उन देशों पर दबाव डालना है, जो रूस से तेल खरीदते हैं, लेकिन प्रस्ताव में कुछ राहत भी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सीनेटरों की ओर से विधेयक के अद्यतन संस्करण में रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर अधिकतम टैरिफ को 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है, जो पहले 500 प्रतिशत था। विधेयक अगस्त से पहले पारित हो सकता है।

यह विधेक मूल रूप से दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने एक साल पहले पेश किया था, जिसे दोनों दलों रिपब्लिकन और डेमोक्रेट का समर्थन प्राप्त है।ग्राहम के शीन वार को अचानक निधन हो गया, जिन्होंने मोत से एक दिन पहले यूक्रेन यात्रा के दौरान घोषणा की थी कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए समझौता कर लिया है।

संशोधित संस्करण के पारित होने की संभावना अधिक स्पष्ट है।

पहले के विधेयक में रूसी तेल खरीदारों पर 500 प्रतिशत प्रतिशत अधिकतम टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे संशोधित विधेयक में घटाकर 100प्रतिशत किया गया है।टैरिफ मुख्य रूप से दुनिया के शीर्ष 5 रूसी तेल खरीदार देश चीन, भारत, स्लोवाकिया , हंगरी और अजरबैजान पर लगेगा, जबकि रूसी प्राकृतिक गैस के प्रमुख आयातकों में चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम शामिल हैं।संशोधित विधेयक में अमेरिकी हित को देखते हुए राष्ट्रपति को प्रतिबंधों को माफ करने की भी शक्ति है।

अमेरिकी संशोधित विधेयक में प्रतिबंधों का उद्देश्य उस राजस्व प्रवाह को कम करना है जो यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को लगातार वित्त पोषित कर रहा है। विधेयक में रूस के तथाकथित अदृश्य टैकर बड़े को भी निशाना बनाया गया है, जिसका उपयोग मॉस्को पारंपरिक पश्चिमी शिपिंग और वीमा नेटवर्क से बाहर तेल परिवहन के लिए करता है।

अमेरिकी नाकाबंदी के विरोध में ईरान ने खुद को शांति समझौते से अलग किया

तेहरान (एजेंसी)

अमेरिका की सेना द्वारा लगातार ईरानी ठिकानों पर हो रहे हमले और ईरानी बंदरगाहों पर एक बार फिर नाकाबंदी शुरू किए जाने के बाद ईरान शांति समझौता तोड़ने का विचार कर



रहा है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने अमेरिका पर समझौता जापन की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह हस्ताक्षरित समझौता जापन से अब बंधा नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूर्ण युद्धकालीन नियंत्रण रखेगा। गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान होर्मुज पर अपनी संप्रभुता को लागू करेगा, चाहे इसकी कितनी भी कीमत चुकानी पड़े। उन्होंने कहा, अमेरिका ने समझौते का उल्लंघन करने से कहीं आगे बढ़कर काम किया है। आज रात की नौसैनिक नाकाबंदी के साथ, समझौता प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है। ईरान अब खुद को इस समझौते से बंधा हुआ नहीं मानता।

गरीबाबादी ने होर्मुज पर तेहरान के रुख को और भी कड़ा करते हुए इसे ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केंद्रीय बताया। उन्होंने कहा कि हालांकि ओमान सामान्यतः रणनीतिक जलडमरूमध्य पर जिम्मेदारी साझा करता है, लेकिन युद्धकालीन परिस्थितियों के कारण ईरान को पूरे मार्ग पर नियंत्रण रखना आवश्यक हो गया है।

उन्होंने वाशिंगटन के साथ किसी भी तत्काल राजनयिक बातचीत की संभावना को भी खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा, ईरान कभी भी अमेरिका के साथ बातचीत का अनुरोध नहीं करेगा।

अमेरिकी सेना ने फिर शुरु की नाकाबंदी, ईरान ने जार्डन में अमेरिकी जेट का शेल्टर उड़ाया



तेहरान (एजेंसी)

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। मंगलवार को अमेरिकी सेना ने फिर से ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू कर दी है। वहीं ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाने पर लिया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने बताया कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास और ईरान के तटीय इलाकों में दर्जनों सैन्य ठिकाने तबाह किए हैं। ईरानी सेना ने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला कर बड़े नुकसान का दावा किया है।सेंटकॉम ने जारी बयान में कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान के तटीय इलाकों के पास दर्जनों सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। सात घंटे तक चले इस हमले के दौरान अमेरिका के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसैनिक जहाजों ने ईरान की मिसाइल और प्रणालियों पर सटीक हमले किए।सेंटकॉम ने बताया कि सेना ने ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों से आने-जाने वाले जहाजों की नाकेबंदी

फिर से शुरू की है।सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रेड कूपर ने एक बयान में कहा कि पिछले 7दिनों में, ईरान ने जानबूझकर पूरे इलाके में आम लोगों को निशाना बनाया है, उसने 7कमर्शियल जहाजों पर हमला किया, जिससे करीब एक दर्जन आम चालक दल के सदस्य मारे गए, लापता हुए या घायल हुए हैं।कूपर ने कहा कि ईरानी सेना ने पड़ोसी खाड़ी देशों की तरफ दर्जनों मिसाइलें और ड्रोन भी दागे हैं, ईरान इस बेवजह हमलों की जिम्मेदार है।ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर(आईआरजीसी) ने कहा कि उसने अपने नक्श 2अभियान की छद्मी लहर के दौरान जॉर्डन के अजराक हवाई अड्डे पर अमेरिकी एफ-15,एफ-16 और एफ-35लड़ाकू विमानों और एमक्यू-9ड्रोन को रखने वाले शेल्टर को नष्ट कर दिया है।आईआरजीसी ने जॉर्डन और कुवैत के नागरिकों से अपील की है कि वे अपने देशों में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति का विरोध करें और उनको इस्लामिक देशों के खिलाफ हमलों का प्रक्षेपण स्थल न बनने दें।

जींद से हाइड्रोजन रेल सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ग्रीन मोबिलिटी के नए युग की होगी शुरुआत: धनखड़

चंडीगढ़ (संवाददाता) भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि 17 जुलाई का दिन केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक महत्व का होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद से प्रस्तावित हाइड्रोजन रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर भारत की स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और आधुनिक तकनीक की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा कि जींद का यह आयोजन विकसित भारत के संकल्प का राष्ट्रीय प्रतीक बनेगा तथा देश की ग्रीन एनर्जी यात्रा को नई गति देगा। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने झज्जर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह बात कही। धनखड़ ने कहा कि भारत हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 1,200 हॉर्स पावर क्षमता वाली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन आधुनिक तकनीक, आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी नवाचार का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया कार्बन उत्सर्जन में कमी और स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर है, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से जुड़ाव हमेशा विकास और राष्ट्र निर्माण से रहा है। रेवाड़ी से पूर्व सैनिकों के सम्मान का संदेश , पानीपत से'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान, कुरुक्षेत्र से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश, हिसार में हवाई संपर्क के विस्तार तथा अब जींद से



हाइड्रोजन रेल सेवा के शुभारंभ का प्रस्तावित कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा राष्ट्रीय महत्व की अनेक विकास परियोजनाओं का केंद्र रहा है। धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, पीएम गति शक्ति और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों ने देश को विनिर्माण, नवाचार और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाया है। उन्होंने कहा कि यूपीआई(UPI) आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली आज दुनिया के अनेक देशों का ध्यान आकर्षित कर रही है और भारत की डिजिटल क्षमता का वैश्विक उदाहरण बन चुकी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा की डबल इंजन

सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री कि सान सम्मान निधि के तहत हरियाणा के किसानों के खातों में 24,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। प्रदेश में 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद, फसल खराबे पर प्रत्यक्ष मुआवजा , ड्रोन तकनीक, सूक्ष्म सिंचाई और आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दे कर खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। साथ ही डिजिटल सेवाओं, सशक्त पंचायतों और ग्रामीण विकास योजनाओं से गांवों में व्यापक बदलाव आया है।धनखड़ ने बताया कि झज्जर जिला से तीन विधान सभा क्षेत्र झज्जर, बहादुरगढ़ और वादली के नागरिक व कार्यकर्ता झज्जर स्थित नेहरू कॉलेज के सभागार में लाइव कार्यक्रम देखेंगे। बेरी विधान सभा से नागरिक और कार्यकर्ता 17 जुलाई को जींद पहुंचकर पीएम का स्वागत करेंगे।

धनखड़ ने प्रदेशवासियों से 17 जुलाई के कार्यक्रम को विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक रेल सेवा के शुभारंभ तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर, आधुनिक, तकनीक-संपन्न और विकसित भारत की दिशा में देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जींद से उठने वाला यह संदेश भारत की तकनीकी क्षमता, आर्थिक प्रगति और ग्रीन एनर्जी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को वैश्विक स्तर पर नई पहचान देगा।

कांग्रेस अपने समय से आगे नहीं बढ़ पा रही है। देश के हितों और विकास के मुद्दों से जोड़ नहीं पा रही है।

करनाल रिंग रोड के काम में तेजी लाकर जल्द काम पूरा करें: हरविंद्र कल्याण



चंडीगढ़ (संवाददाता) चंडीगढ़ हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने करनाल रिंग रोड परियोजना के संचार क्रियान्वयन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में परियोजना से जुड़े विभिन्न लंबित विषयों विशेषकर विजली संबंधी कार्यों के निर्बाध ढंग से सिले चढ़ाने पर व्यापक योजना बनी।बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (एचवीपीएनएल) उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड(यूएचवीवीएन) भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड(बीबीएमबी) तथा जिला प्रशासन करनाल के वरिष्ठ एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग

लिया।विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ लंबित विषयों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें, ताकि परियोजना की प्रगति में किसी प्रकार की बाधा न आने पाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधाओं का लाभ शीघ्र प्राप्त करवाना उनका उद्देश्य है।उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया गया कि विकास कार्यों के साथ-साथ जनसुविधा एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा सभी संबंधित विभाग आवश्यक कार्यवाही को निर्धारित समय सीमा में पूरा करें।

हरियाणा:रेवाड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लूटकांड में 24 घंटे के भीतर पकड़े गए 5 आरोपी



चंडीगढ़ (संवाददाता) हरियाणा के रेवाड़ी के कसौला थाना पुलिस ने मुस्तेदी और त्वरित कार्रवाई करते हुए चारपहिया गाड़ी भी बरामद कर ली है। डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश के

मोबाइल फोन लूट लिया। आरोपियों ने पिस्तौल के बल पर मोबाइल का पासवर्ड पृष्ठकर उसके बैंक खाते से 24,000 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए। इसके बाद उसे बावल क्षेत्र के गांव दुल्हेड़ा खुर्द नहर के पंप हाउस के पास फेंककर गाड़ी सहित फरार हो गए।शिकायत मिलते ही थाना कसौला में लूट सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करके पुलिस की विभिन्न टीमें गठित की गईं। वहीं, रविवार की रात को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बिना नंबर की संदिग्ध कार क्षेत्र में घूम रही है। पुलिस टीम ने जब गाड़ी को रोकने का प्रयास किया, तो आसबल फ्लाईओवर के पास खुद को घिरा देख आरोपी गाड़ी छोड़कर भागने लगे।

भागते समय मुख्य आरोपी मोहित पास के एक गड्ढे में गिर गया, जिससे उसके पैर में चोट आई। तलाशी के दौरान गाड़ी से एक देसी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने गाड़ी में सवार दूसरे आरोपी को भी मौके पर ही दबोच लिया। पुलिस ने घायल मोहित को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज करवाया गया।सोमवार सुबह कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए इस वारदात में शामिल तीन अन्य नावालिग आरोपियों को भी नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया है। मामले की आगे की जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी मोहित पर इससे पहले भी थाना कसौला में मोबाइल और नकदी लूटने का एक मामला दर्ज है। वहीं, आरोपी कमल एक शातिर अपराधी है, जिस पर पहले से ही लूट और चोरी के करीब 8से 9मामले दर्ज हैं।

शराबी पति ने सोती पत्नी पर चाकुओं से किया हमला, मौके पर मौत, सो रही बेटी पर भी किए वार और हो गया फरार



चंडीगढ़ (संवाददाता) हरियाणा के करनाल जिले से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। करनाल की रामदेव कॉलोनी में देर रात एक ऐसा खूनी घटनाक्रम सामने आया, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। आरोप है कि शराब के नशे में धुत पति ने पहले अपनी पत्नी सीता पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला किया। उस वक्त सीता अपनी बेटियों के साथ गहरी नींद में सो रही थीं। हमले में सीता की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने अपनी बेटी पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह बाल-बाल बच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि घर में चीख-पुकार मच गई। बेटी ने मां को लहलुहान हालत में पाया।

मृतका की बेटी ज्योति ने बताया कि पूरी घटना इतनी अचानक हुई कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। सभी रात में सो रहे थे। बहन पर हमला होने के बाद जब उनकी आंख खुली तो देखा कि मां लहलुहान हालत में पड़ी थीं। उसने बताया कि उनके पिता अक्सर शराब पीकर घर में झगड़ा करते थे। परिवार के लोगों ने उन्हें कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन उनकी आदत नहीं बदली। घटना के बाद आरोपी पिता घर से फरार हो गया। कोई काम नहीं करता था शराबी पति मौके पर पहुंचे रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि मृतका ही मेहनत-मजदूरी कर पूरे परिवार का पालन-पोषण करती थी, जबकि उसका पति शराब पीने का आदी था। कोई काम नहीं करता था। परिवार में आए दिन विवाद होता रहता था। रिश्तेदारों ने यह भी आशंका जताई कि हत्या में किसी और की भी भूमिका हो सकती है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सूचना मिलते ही मेरठ से भी परिजन करनाल पहुंच गए और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। धारदार हथियार से सिर पर किया वार घटना की सूचना मिलते ही करनाल सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस जांच अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति ने तेजधार हथियार से पत्नी के सिर पर वार कर उसकी हत्या की। परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

गुरुग्राम में नौकसानी पर चढ़ाई थार, अस्पताल ले गई गाड़ी मालकिन, मृत घोषित होने पर शव वापस पार्किंग में छोड़ कर भागी



गुरुग्राम (संवाददाता) गुरुग्राम की एक हाईराइज सोसाइटी से लापरवाही का बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। सेक्टर-67स्थित अंसल वर्साइलिया सोसाइटी में घर की पार्किंग में सो रही एक घरेलू सहायिका की थार की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद थार चालक महिला घायल महिला को अस्पताल ले गई, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महोबा की रहने वाली थी मृतका पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान 57वर्षीय गुड्डी के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के महोबा की रहने वाली थीं। वह सोसाइटी के एक फ्लैट में घरेलू काम करती थीं। मंगलवार शाम को काम खत्म करने के बाद वह ग्राउंड फ्लोर पर बनी कार पार्किंग में लेटी हुई थीं। बताया जा रहा है ग्राउंड फ्लोर की कार पार्किंग में महिला आराम कर रही थीं। इसी दौरान बिल्डिंग में रहने वाली एक महिला अपनी थार एसयूवी को रिवर्स कर रही थी। गाड़ी चलाते समय पार्किंग में सो रही महिला दिखाई नहीं दी और बाहून उसके ऊपर चढ़ गया। हादसे का एहसास होने पर महिला चालक तुरंत गाड़ी से उतरी और आनन-फानन में घायल को प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंची। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद

गुड्डी को मृत घोषित कर दिया। शव को दोबारा पार्किंग में छोड़ गई मालकिन परिजनों का आरोप है कि अस्पताल से लौटने के बाद महिला शव को दोबारा सोसाइटी की पार्किंग में लेकर आई और वहीं छोड़ दिया, जहां हादसा हुआ था। शव को पार्किंग में देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के परिजन मौके पर पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस सेक्टर-65 थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं , पुलिस ने थार गाड़ी को कब्जे में लिया है और आरोपी महिला से पृछताछ की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं , बता दें कि गुरुग्राम से आज एक और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक कैब ड्राइवर ने न केवल एक सड़क हादसे को अंजाम दिया , बल्कि मौके पर पहुंची पुलिस से हाथापाई भी की। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एनआईए में सुश्रुत जयंती पर लगा निशुल्क बीएमडी जांच शिविर



चंडीगढ़ (संवाददाता) चंडीगढ़ राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) में शल्य चिकित्सक आचार्य सुश्रुत जयंती पर निशुल्क बोन मिनरल डेंसिटी(बीएमडी) जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150से अधिक लोगों की हड्डियों की मजबूती की जांच कर उन्हें ऑस्टियोपोरोसिस और हड्डियों से जुड़ी अन्य समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में रा ण््रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर(डॉ).संजीव शर्मा तथा डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी की मार्गदर्शन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य आमजन को हड्डियों के स्व ास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।इसी कड़ी में संस्थान के डीन इंचार्ज प्रोफेसर सतीश गंधर्व , प्रोफेसर प्रहलाद रघु और डी एमएस डॉ. गौरव गर्ग ने शल्य चिकित्सक आचार्य सुश्रुत के चित्र पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्वलन के साथ शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि कहा कि बदलती जीवनशैली, पोषण की कमी और बढ़ती उम्र के कारण हड्डियों से संबंधित रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। समय पर बोन मिनरल डेंसिटी की जांच कर ऑस्टियोपोरोसिस जैसी गंभीर बीमारी की शुरुआती अवस्था में पहचान की जा सकती है, जिससे समय रहते उपचार संभव हो पाता है। उन्होंने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित आहार लेने, पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन-डी का सेवन करने तथा नियमित व्यायाम अपनाने का आह्वान किया।डीएमएस डॉ. गौरव गर्ग ने कहा कि बोन मिनरल डेंसिटी(बीएमडी) जांच हड्डियों की गुणवत्ता और मजबूती का आकलन करने का प्रभावी माध्यम है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान समय-समय पर ऐसे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर आमजन को रोगों की रोकथाम और स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहा है।

हरियाणा: स्क्रീनिंग अभियान में सामने आए टीबी के 25,600से अधिक नए मामले

चंडीगढ़ (संवाददाता) खास खबर। चंडीगढ़ हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि हरियाणा ने तपेदिक (टीबी) के खिलाफ अपनी लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रगति की है। राज्य ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा समर्थित बड़े पैमाने पर सक्रिय स्क्रीनिंग के माध्यम से चल रहे 1०० -दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान (चरण-II (के पहले 104दिनों के दौरान टीबी के 25,666 नए मरीजों का पता लगाया है। विश्व टीबी दिवस(24मार्च, 2026)पर शुरू किया गया यह अभियान टीबी के मामलों की जल्द पहचान करने और बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए समय पर इलाज सुनिश्चित करने की राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि पारंपरिक स्वास्थ्य दृष्टिकोणों के विपरीत, जो मरीजों के स्वास्थ्य केंद्रों पर आने पर निर्भर करते हैं, यह अभियान एक्टिव केस फाइंडिंग)एसीएफ-सक्रिय रूप से मामलों की खोज) पर केंद्रित है। इसके तहत स्वास्थ्य टीमें संवेदनशील और उच्च जोखिम वाले समुदायों में लोगों तक पहुंच रही हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिनमें लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हों। इस सक्रिय रणनीति ने स्वास्थ्य विभाग को उन हजारों मरीजों की पहचान करने में सक्षम बनाया है जो अन्यथा बिना जांच के रह सकते थे। हरियाणा के इस अभियान की एक प्रमुख विशेषता स्कीनिंग और निदान (डायग्नोसिस) को बेहतर बनाने के लिए एआई-संचालित तकनीकों का व्यापक उपयोग रही है। राज्य ने एआई-सक्षम हैन्डहेल्ड(हाथ में पकड़ी जाने वाली) एक्स-रे मशीनें निदान की हैं, जो दूरदराज के क्षेत्रों में भी तेजी से स्कीनिंग के परिणाम दे देने में सक्षम हैं। इसके अलावा ,कफ अरोस्ट टीबी)सीएटीबी (मोबाइल एप्लीकेशन स्मार्टफोन के माध्यम से खांसी की आवाजों का विश्लेषण करने और उन व्यक्तियों की पहचान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करती है जिन्हें आगे की जांच की



आवश्यकता हो सकती है। विभाग ने 2,111 उच्च जोखिम वाले गांवों और शहरी वार्डों की पहचान करने के लिए 'बल्लेरबिलिटी मैपिंग(वीएम-टीबी) को भी अपनाया है, जिससे स्वास्थ्य टीमों को टीबी संक्रमण के प्रति सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रित स्कीनिंग करने की अनुमति मिली है। डॉ. मिश्रा ने जानकारी दी कि अभियान ने 24मार्च से 5जुलाई, 2026के बीच प्रभावशाली उपलब्धियां दर्ज की हैं। इस अवधि के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने 3,914 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया, जिसमें विन्हित उच्च जोखिम वाले गांवों और शहरी वार्डों में 2,854शिविर शामिल हैं। कुल 4,73,197लोगों की स्कीनिंग की गई, जबकि 2,25,321 चेस्ट एक्स-रे और 1.25 लाख नैट (NAAT) नैदानिक परीक्षण किए गए, जिसके परिणामस्वरूप टीबी के 25,666नए मरीजों की पहचान हुई। इलाज के दौरान मरीजों की सहायता के लिए, सरकार ने टीबी से उबरने में पर्याप्त पोषण के महत्व को स्वीकार करते हुए 23,962पोषण किट वितरित किए। सामुदायिक भागीदारी ने भी गति पकड़ी है, जिसमें टीबी मरीजों को पोषण और सामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए 2,635 नए/निधय मित्र आगे आए हैं। अभियान में जमीनी स्तर पर मजबूत भागीदारी देखी गई है।

भारत-UK व्यापार समझौता आज से लागू, 99%भारतीय निर्यात को मिलेगी शुल्क-मुक्त पहुंच, जानें क्या चीजें होंगी सस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) (बुधवार से लागू हो गया। इसे हाल के वर्षों में भारत के सबसे बड़े और व्यापक मुक्त व्यापार समझौतों(एफटीए) में से एक माना जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस समझौते से किसानों, श्रमिकों , एमएसएमई, निर्यातकों, स्टार्टअप और सेवा क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा, जबकि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, सीईटीए केवल आयात-निर्यात शुल्क घटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापार, निवेश, सेवाओं और रोजगार के नए अवसरों का व्यापक ढांचा तैयार करेगा। इससे टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं कम होंगी तथा भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। समझौते के तहत भारत के लगभग 99प्रतिशत निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मि लेगी। वहीं, ब्रिटेन से आयात होने वाले कई उत्पादों पर सीमा शुल्क कम होने से उनकी कीमतों में भी कमी आने की संभावना है। इसके अलावा पहली बार ब्रिटेन की कंपनियां भारत सरकार की करीब 40 हजार उच्च मूल्य वाली सरकारी निविदाओं में भाग ले सकेंगी। इससे परिवहन, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों



में निवेश और प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद है। सीईटीए में कुल 30 अध्याय शामिल हैं, जिनमें डिजिटल व्यापार, सरकारी खरीद, एमएसएमई, निवेश, बौद्धिक संपदा, श्रम, पर्यावरण और सेवा क्षेत्र से जुड़े नियमों को सरल बनाया गया है। इसे भारत का अब तक का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता माना जा रहा है।समझौते के तहत स्कॉच व्हिस्की पर मौजूदा 150प्रतिशत आयात शुल्क पहले चरण में घटाकर 75प्रतिशत किया जाएगा, जबकि अगले

10वर्षों में यह 40प्रतिशत रह जाएगा।

ब्रिटेन में बनी पूरी तरह तैयार कारों पर भी पहली बार इतनी बड़ी सीमा शुल्क रियायत दी गई है। इन कारों पर आयात शुल्क 110 प्रतिशत से घटाकर चरणबद्ध तरीके से 10 प्रतिशत किया जाएगा। पेट्रोल और डीजल कारों को शुरुआत से ही रियायत मिलेगी, जबकि इलेक्ट्रिक , हाइब्रिड और हाइड्रोजन वाहनों को छठे वर्ष से लाभ मिलेगा , ताकि शुरुआती पांच वर्षों तक भारतीय ईवी उद्योग को सुरक्षा मिल सके। पहले 15 वर्षों में रि यायती शुल्क पर 3.78 लाख ब्रिटिश यात्री वाहनों के आयात की अनुमति होगी। वहीं ट्रकों पर आयात शुल्क 44 प्रतिशत से घटकर पांचवें वर्ष तक 8.8प्रतिशत रह जाएगा। भारत ने सेब, अखरोट, न्हे, कुछ बीज, सोने की ईंटों और स्मार्टफोन जैसे संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वहीं ब्रिटेन ने भी चावल, चीनी और कुछ मांस उत्पादों को इस समझौते के दायरे से बाहर रखा है। समझौते के साथ लागू हुए डबल कंट्रीव्यूशन कन्वेंशन के तहत भारत से ब्रिटेन जाने वाले कर्मचारियों और उनके नि योक्ताओं को पांच वर्षों तक ब्रिटेन में सोशल सिक्योरिटी योगदान नहीं देना होगा। इससे भारतीय पेशेवरों और कंपनियों की लागत में कमी आएगी। इस समझौते से रेडीमेड गारमेंट, टेक्सटाइल, फुटवियर, कालीन, प्रोसेस्ड फूड, अनाज, फल-सब्जियां, मसाले, मछली एवं समुद्री उत्पाद , ऑटोमोबाइल, ऑटो पार्ट्स, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सिरमिक , ग्लास, सीमेंट और स्टोन उद्योगों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

भारतीय रेलवे ने शुरु की आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट, टिकट बुकिंग होगी पहले से अधिक तेज और आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय रेलवे ने बुधवार को भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की नई वेबसाइट शुरू कर दी। नई वेबसाइट का उद्देश्य यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक तेज, सरल और सुविधाजनक टिकट बुकिंग अनुभव उपलब्ध कराना है। रेलवे के अनुसार नई प्रणाली विशेष रूप से तत्काल टिकट बुकिंग के दौरान आने वाली तकनीकी परेशानियों को कम करने में मदद करेगी। रेलवे ने बताया कि नई वेबसाइट अब प्रति मिनट लगभग डेढ़ लाख से अधिक टिकट बुकिंग संभालने में सक्षम होगी, जबकि पहले यह क्षमता लगभग 32 हजार टिकट प्रति मिनट थी। इससे अधिक संख्या में यात्री एक साथ टिकट बुक करा सकेंगे और वेबसाइट पर दबाव कम होगा। नई वेबसाइट के साथ यात्री आरक्षण प्रणाली को भी पहले से अधिक आधुनिक और तेज बनाया गया है। अब यह प्रणाली प्रति मिनट 40 लाख से अधिक पूछताछ संभाल सकेगी, जबकि पहले इसकी क्षमता लगभग चार लाख पूछताछ प्रति मिनट थी। इससे यात्रियों को सीट उपलब्धता, यात्री नाम अभिलेख(पीएनआर) की स्थिति, ट्रेन संबंधी जानकारी तथा अन्य आवश्यक विवरण पहले की अपेक्षा अधिक तेजी से प्राप्त होंगे। रेलवे का कहना है कि वेबसाइट के उत्तर देने का समय भी काफी कम होगा, जिससे यात्रियों का समय बचेगा। नई वेबसाइट में यात्रियों को टिकट बुक करते समय अपनी पसंद की सीट चुनने का विकल्प भी दिया गया है। इसके साथ ही किराया कैलेंडर जोड़ा गया है, जिसकी सहायता से यात्री अलग-अलग तिथियों का किराया पहले से देख सकेंगे और उनकी तुलना कर सकेंगे। इससे यात्रा की योजना बनाना अधिक आसान होगा।अब यात्रियों को शयनयान, तृतीय वातानुकूलित, द्वितीय वातानुकूलित तथा अन्य सभी श्रेणियों में



सीटों की उपलब्धता एक ही स्क्रीन पर दिखाई देगी। इससे अलग-अलग श्रेणियों की जानकारी देखने में समय की बचत होगी और उपयुक्त विकल्प चुनना आसान हो जाएगा।नई आईआरसीटीसी वेबसाइट कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराई गई है, जिससे विभिन्न राज्यों के यात्रियों को अपनी भाषा में सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। वेबसाइट पर अनावश्यक पॉप-अप संदेशों और बार-बार आने वाले सत्यापन कोड (कैप्चा)को भी काफी हद तक कम किया गया है।इसके अलावा दिव्यांगजन,

विद्यार्थियों तथा मरीजों से संबंधित विभिन्न सुविधाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया है, जिससे उन्हें अलग-अलग विकल्प तलाशने की आवश्यकता नहीं होगी। रेलवे का कहना है कि नई वेबसाइट के माध्यम से टिकट बुकिंग प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल, तेज और विश्वसनीय बनेगी। विशेष रूप से अधिक भीड़ वाले समय में भी यात्रियों को बेहतर डिजिटल अनुभव मिलेगा तथा टिकट बुकिंग, सीट उपलब्धता और अन्य रेल सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित होगी।

जून में थोक महंगाई बढ़कर 9.87प्रतिशत पर पहुंची खाने-पीने की चीजें हुई महंगी



नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत की थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) दर जून, 2026में बढ़कर 9.87प्रतिशत हो गई। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में यह 9.68 प्रतिशत थी, जबकि विशेषज्ञों ने इसके 9.15 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। थोक महंगाई अब दोहरे अंक के वेहद करीब पहुंच गई है। सरकार के अनुसार, खाद्य वस्तुओं, धातुओं और रसायनों की बढ़ती कीमतों ने थोक स्तर पर महंगाई को ऊपर बनाए रखा। जून में खाद्य वस्तुओं की महंगाई सबसे तेजी से बढ़ी। डब्ल्यूपीआई खाद्य सूचकांक मई के 4.49प्रतिशत से बढ़कर जून में 6.14प्रतिशत पहुंच गया। प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई भी 4.99 प्रतिशत से बढ़कर 7प्रतिशत हो गई। महीने के दौरान खाद्य वस्तुओं की की मतों में 3.75 प्रतिशत और गैर-खाद्य वस्तुओं में 1.43प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे बाजार में थोक कीमतों पर दबाव और अधिक बढ़ गया।

ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई जून,म 2026में घटकर 27.41 प्रतिशत रह गई, जो मई महीने में 30.33प्रतिशत थी। हालांकि , पेट्रोलियम और खनिज तेल से जुड़े उत्पाद अब भी महंगे बने हुए हैं। वहीं विनिर्माण क्षेत्र की महंगाई 7.48प्रतिशत पर स्थिर रही।धातु, रसायन, खाद्य उत्पाद और मशीनरी जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में कीमतों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे उद्योगों की लागत ऊंची बनी रही। सरकार ने जून के आंकड़े नई डब्ल्यूपीआई सीरीज के आधार पर जारी किए हैं, जिसमें 2022-23को आधार वर्ष बनाया गया है। नई सीरीज में वस्तुओं की संख्या 697से बढ़ाकर 957कर दी गई है और सौर, पवन तथा परमाणु बिजली जैसे नए उत्पाद भी शामिल किए गए हैं। सरकार का कहना है कि नई व्यवस्था मौजूदा अर्थव्यवस्था की बेहतर तस्वीर पेश करेगी और थोक महंगाई का अधिक सटीक आकलन करने में मदद करेगी।

थोक महंगाई में तेज बढ़ोतरी, ईंधन और ऊर्जा की कीमतों ने बढ़ाई चिंता



मुंबई (एजेंसी)

भारत में थोक मूल्य सूचकांक(डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई या थोक महंगाई दर जून में सालाना आधार पर 9.87प्रतिशत रही है, जो कि मई में 9.68प्रतिशत थी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई। सरकारी आंकड़ों में बताया गया कि डब्ल्यूपीआई की तीन मुख्य घटक प्राथमिक वस्तुओं, ईंधन एवं ऊर्जा और विनिर्मित वस्तुओं में जून में थोक महंगाई दर क्रमशः 7प्रतिशत, 27.41प्रतिशत और 7.48 प्रतिशत थी, जो कि मई में क्रमशः4.99 प्रतिशत, 30.33प्रतिशत और 7.48प्रतिशत थी। जून में थोक महंगाई दर उच्च स्तर पर रहने की वजह खनिज तेज(पेट्रोलियम उत्पाद सहित) खाद्य वस्तुओं , रसायनों और रासायनिक उत्पादों और बेसिक मेटल की मैन्युफैक्चरिंग की लागत बढ़ता

था।सरकार आंकड़ों के मुताबिक, जून में खाद्य उत्पादों में थोक महंगाई दर 6.14प्रतिशत रही है, जो कि मई में 4.49प्रतिशत थी। कुल डब्ल्यूपीआई में खाद्य वस्तुओं की हिस्सेदारी 24.99प्रतिशत है। इससे पहले, सरकार की ओर से खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए थे, जिसमें खुदरा महंगाई दर जून में सालाना आधार पर बढ़कर 4.38प्रतिशत (अंन्तिम) हो गई है, जो कि मई में 3.93प्रतिशत (अंतिम) थी। मंत्रालय द्वारा जा री डेटा के मुताबिक, जून में ग्रामीण क्षेत्र में खुदरा महंगाई दर मई के 4.25 प्रतिशत से बढ़कर 4.74प्रतिशत हो गई है। वहीं, शहरी क्षेत्र में जून में महंगाई दर बढ़कर 3.92 प्रतिशत हो गई है, जो कि मई में 3.53प्रतिशत थी। जून में खुदरा खाद्य महंगाई दर 5.32प्रतिशत रही है। यह मई में 4.78प्रतिशत थी।

RBI का बड़ा प्रस्ताव! अब बैंकों और NBFC को डेटा सुरक्षा पर रखना होगा खास ध्यान, नया फ्रेमवर्क होगा लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)

अगर आपका बैंक या एनबीएफसी (NBFC) आपकी निजी जानकारी को सुरक्षित रखने में लापरवाही करता है, तो आने वाले समय में ऐसा करना आसान नहीं होगा। भारतीय रिजर्व बैंक



(RBI) ने डेटा सुरक्षा और डेटा गवर्नेंस को मजबूत बनाने के लिए नए ड्राफ्ट नियम जारी किए हैं। इन नि यमों के तहत बैंक, एनबीएफसी और RBI के अधीन आने वाली सभी वित्तीय संस्थाओं को डेटा से जुड़े जोखिमों को पहचानने, कंट्रोल करने और सुरक्षित रखने के लिए मजबूत व्यवस्था बनानी होगी। डेटा सुरक्षा के लिए बनेगा नया फ्रेमवर्क RBI का कहना है कि डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन सेवाओं के बढ़ते इस्तेमाल के कारण डेटा अब वित्तीय संस्थानों की सबसे महत्वपूर्ण संपत्तियों में से एक बन गया है। ऐसे में डेटा की सुरक्षा, गुणवत्ता और सही उपयोग सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। नए प्रस्ताव के मुताबिक हर बैंक और NBFC को अपने रिस्क मैनेजमेंट का हिस्सा बनाते हुए डेटा रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम तैयार करना होगा। ड्राफ्ट नियमों के अनुसार हर रेगुलेटेड संस्था को एक डेटा गवर्नेंस कमेटी बनानी होगी या किसी मौजूदा वरिष्ठ समिति को इसकी जिम्मेदारी देनी होगी। इस कमेटी में डेटा, आईटी, सूचना सुरक्षा, बिजनेस, रिस्क मैनेजमेंट और कंप्लायंस से जुड़े अधिकारी शामिल होंगे। इसके अलावा संस्थान का बोर्ड भी पूरे डेटा गवर्नेंस फ्रेमवर्क की निगरानी करेगा और समय-समय पर इसकी समीक्षा करेगा।

इथेनाल पर निजी हित के आरोप निराधार, वैकल्पिक ईंधन ही भारत का भविष्य:नितिन गडकरी



नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इथेनाल को बढ़ावा देने को लेकर लगाए जा रहे निजी हितों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनका इस कारोबार से कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह वर्षों से इथेनाल ही नहीं, बल्कि हाइड्रोजन, मेथनाल , इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य वैकल्पिक ईंधनों के समर्थक रहे हैं, क्योंकि इससे भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता मजबूत होगी और पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम होगी। एक अंग्रेजी समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में गडकरी ने कहा कि उनके परिवार के पास पहले से चीनी मिल है, जिसका संचालन उनके बेटे करते हैं। इथेनाल ब्लेंडिंग का र्यक्रम का संचालन पेट्रोलियम मंत्रालय करता है और इस पूरी प्रक्रिया में उनकी कोई भूमिका नहीं है।उन्होंने बताया कि उनके बेटों के कारोबार में इथेनाल से होने वाली आय केवल करीब 10प्रतिशत है, जबकि देश के कुल इथेनाल उत्पादन में उनकी इकाइयों की हिस्सेदारी 0.5प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके परिवार के व्यवसाय पर लगभग 1600 करोड़ रुपये का कर्ज है, इसलिए

निजी लाभ के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। गडकरी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में शामिल है। ऐसे में वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इथेनाल केवल गांसे से ही नहीं, बल्कि मक्का, धान, पराली और बांस जैसे विभिन्न स्रोतों से भी बनाया जा सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हरियाणा के पानीपत में पराली से इथेनाल तैयार किया जा रहा है, जबकि असम में बांस और अन्य राज्यों में चावल से भी इसका उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि ब्राजील जैसे देशों में दशकों से इथेनाल आधारित ईंधन का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है और वहां इससे किसी प्रकार की समस्या सामने नहीं आई है।100 प्रतिशत पेट्रोल उपलब्ध कराने के सवाल पर गडकरी ने कहा कि इसकी कीमत अधिक होगी। उन्होंने बताया कि E85ईंधन की लागत E20से भी कम है, इसलिए वैकल्पिक ईंधन आर्थिक रूप से भी लाभकारी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश, जिनमें इंडोनेशिया और थाईलैंड भी शामिल हैं, तेजी से बायोप्स्यूल आधारित ऊर्जा व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं।

संपादकीय

अब वापस गांव

लौटना शर्म की बात

देश में सबसे कम शहरीकरण वाला राज्य हिमाचल प्रदेश है और उसके बाद बिहार का नंबर आता है। इसके बाद असम, ओडिशा आदि राज्य आते हैं। इन राज्यों में शहरीकरण नहीं हुआ है लेकिन गांव लापता हो गए हैं। सवाल है कि कहां चले गए हैं गांव के लोग वह भी इस समय जब खेती किसाना की समय है पिछले दिनों एक रील मोशल मीडिया में वायरल हुई, जिसमें पंजाब में धान की रोपनी कर रहे बिहार के किसान अपनी पीड़ा बता रहे थे वे बिहार के नौजवानों से कह रहे थे कि पंजाब में उनका जीवन कितना मुश्किल है। वे अपील भी कर रहे थे कि अगर पढ़ सकते हो तो पढ़ो और कुछ करो। इस रील में सवाल है कि जवाब है। देश के तमाम पिछड़े इलाकों, जिनमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल का नाम खास तौर पर लिया जा सकता है, से गांव उठ कर दिल्ली, पंजाब, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा, बेंगलुरु और हैदराबाद चले गए हैं।

लेकिन ऐसा नहीं है कि गांव लापता हुए हैं और वहां के लोग देश के बड़े शहरों में चले गए हैं। गांवों से निकल कर ज्यादातर लोग अपने आसपास के शहरों मे गए हैं। अच्छे जीवन की तलाश में, बच्चों की अच्छी शिक्षा व बुजुर्गों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की तलाश में, शहर में मिलने वाली सुविधाओं की मृग मरीचिका में लोग गांव से निकल कर शहर में आ गए हैं या शहर के नजदीक आ गए हैं।'राग दरबारी० में पहले ही प्खे पर श्रीलाल शुक्ल ने लिखा है कि'शहर का वह छोर, जहां से देहात का महासागर शुरू होता है०। लेकिन अब शहर की सीमा के बाद देहात का महासागर नहीं दिखता है, बल्कि बेहद बदरंग रूप में शहर ही देहात तक पहुंच गया है या शहर ही देहात बन गया है।

लोग गांवों से निकल कर शहरों की ओर भागे तो शहर का भौगोलिक विस्तार तेजी से हुआ। शहर का विकास नहीं हुआ, सुविधाएं नहीं बढ़ीं सिर्फ भौगोलिक विस्तार हुआ। जैसे दिल्ली में भीड़ बढ़ती गई तो एनसीआर का दायरा बढ़ता गया वैसे ही बिहार के किसी शहर का विस्तार हुआ तो नगर निगम या नगरपालिका की सीमा बढ़ती गई। लोग इस बात से खुश हुए कि उनका गांव, टोला या मोहल्ल नगरपालिका की सीमा में आ गया। लेकिन नगरपालिका ने वैसी सुविधाएं भी विकसित नहीं की, जैसी पंचायत में उनको मिलती थी। राष्ट्रपति रहते एपीजे अब्दुल कलाम ने पुरा(पीयूआरए) यानी प्रोविजन ऑफ अर्बन एमेनिटीज दू रूरल एरियाज का जिक्र कि या था, जिसे 2003में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने शुरू किया था। इसके तहत ग्रामीण इलाकों में शहरी सुविधाएं यानी सीवेज, पीने के पानी, अच्छी सड़क आदि की सुविधा देनी थी। दुर्भाग्य से उसके 23साल बाद गांव उजाड़ पड़े हैं और शहरों में भी ये सुविधाएं पूरी तरह से नहीं मिल रही हैं।

गांव के लोग जिन चीजों की तलाश में शहर आए थे वो उनको मिली नहीं और वे गांव से उजड़ गए। शहरों में अच्छी शिक्षा के नाम पर कचरा ज्ञान फैलाने वाले निजी स्कूल और कोचिंग हैं। सरकारी स्कूलों की हालत बदतर है। सरकारी अस्पताल दिन ब दिन खराब हुए हैं तो निजी अस्पताल इतने महंगे हैं कि लोग उसे अफोर्ड नहीं कर सकते हैं। नौकरी और रोजगार की संभावना नगण्य है। लेकिन अब वापस गांव लौटना शर्म की बात मानी जाएगी। इसलिए संघर्ष कर रहे हैं। उधर गांवों में छोटी जोत वाले किसान भी खेत मजदूरों की तलाश में भटक रहे हैं। उनके घर के नौजवान भी अच्छे जीवन की उम्मीद लिए गांव से निकल गए हैं। वे भी कहीं किसी शहर या महानगर में भटक रहे हैं। थोड़े समय पहले तक गांवों में जहां चौपाल पर, मंदिर या मस्जिदों के चबूतरे पर या पेड़ की छांव में लोग बैठे दिखते थे वहां अब सन्नाटा है। सड़क पर कुछ महिलाएं तो दिखती हैं लेकिन कामकाजी उम्र के लोग लापता हैं।

□□□□

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के चलते एक माह बंद रहेगा लाल किला

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली का ऐतिहासिक लाल किला 15जुलाई से आम जनता के लिए एक महीने के लिए बंद कर दिया गया है। यहां 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां चल रही हैं। भारतीय



पुरातत्व सर्वेक्षण(एएसआई) ने सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों का हवाला देते हुए 15अगस्त तक लाल किला बंद करने का आदेश जारी किया है। इस दौरान पर्यटकों को ऐतिहासिक स्मारक में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। लाल किला अब 15अगस्त के बाद आम लोगों के लिए खुलेगा।

स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे और किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों और आमंत्रित अतिथियों सहित हजारों लोग शामिल होते हैं, जिसके लिए सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कार्यक्रम स्थल समेत पूरे क्षेत्र की जांच-परख की जाती है।

पिसुरक्षा एजेंसियां किले को नियंत्रण में लेती हैं। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, मंच निर्माण, बैठने की व्यवस्था, पूर्वाभ्यास और अन्य तैयारियों के लिए यह बंद रहता है।

किले को इस साल पहली बार 30दिन के लिए बंद नहीं किया जा रहा , बल्कि इससे पहले 2025भी यह 30दिन के लिए बंद हो चुका है। यह क्रम 2022से चल रहा है।

इंडियाहैंडमेड: भारत की शिल्प विरासत के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म

इंडियाहैंडमेड एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस है जो भारत की हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को ऑनलाइन अर्थव्यवस्था में लाता है। यह मंच कारीगरों और बुनकरों को सीधे खरीदारों से जोड़ता है, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का समर्थन करते हुए बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी वस्तुओं सहित विविध हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करता है, जिससे क्षेत्रीय शिल्प उत्पादों की विभिन्न स्थानों पर मौजूदगी बढ़ती है।हस्तनिर्मित आजीविका के लिए एक डिजिटल इंडिया त्रिज

भारत दुनिया की सबसे समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं में से एक है। यह क्षेत्र न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि समावेशी आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है। भारत में वर्तमान में अनुमानित 64.66 लाख हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर हैं। इस कार्यबल में महिलाओं की काफी भागीदारी है। अगस्त 2025 के आंकड़ों के अनुसार महिलाएं हथकरघा बुनकरों में 71 प्रतिशत और कुल कारीगरों का 64 प्रतिशत हैं। यह मजबूत भागीदारी विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में रोजगार और सशक्तिकरण का समर्थन करने में इस क्षेत्र की भूमिका को दर्शाती है।

बड़ी संख्या में कारीगरों और बुनकरों के बल पर यह क्षेत्र भा रत के उभरते बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जैसे-जैसे वाणिज्य तेजी से डिजिटल होता जा रहा है, ऑनलाइन पहुंच इन शिल्प समुदायों को बाजार में भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से, पारंपरिक आजीविका तेजी से डिजिटल व्यापार के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर रही है। इंडियाहैंडमेड को 2023में लॉन्च किया गया। यह इस विजन को एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस में बदल देता है। वक्ख मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह प्लेटफॉर्म हस्तनिर्मित उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाता है और विक्रेताओं के लिए बाजार के व्यापक अवसर के द्वार खोलता है।

इस विजन को एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस में बदल देता है। वक्ख मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह प्लेटफॉर्म हस्तनिर्मित उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाता है और विक्रेताओं के लिए बाजार के व्यापक अवसर के द्वार खोलता है।

भारत में इंडियाहैंडमेड प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताएं

इंडियाहैंडमेड विक्रेताओं, खरीदारों और शिल्प विरासत का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई सुविधाओं के एक सेट के माध्यम से परंपराओं को ऑनलाइन बाजार में लाता है:

विशेष ऑनलाइन मार्केटप्लेस: यह बुनकरों और कारीगरों को अपने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को ऑनलाइन बेचने में सक्षम बनाता है। खरीदारों की सीधी पहुंच: कारीगर और बुनकर सीधे खरीदारों से जुड़े हुए हैं, जिससे बिचौलियों को कम करने और उचित मुआवजे का समर्थन करने में मदद मिलती है।

अधिक मौजूदगी: प्लेटफ़ॉर्म इंडियाहैंडमेड उत्पादों को व्यापक ग्राहक आधार पर प्रदर्शित करता है, जिससे विक्रेताओं के लिए बाजार के अवसर बढ़ते हैं।

डिजिटल सशक्तिकरण: कारीगरों और बुनकरों को ऑनलाइन व्यापार में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए डिजिटल उपकरण और मौजूदगी प्रदान की जाती है।

वित्तीय और सामाजिक सशक्तिकरण: व्यापक बाजार पहुंच आजीविका को मजबूत करती है और आय के अवसरों का समर्थन करती है।

सांस्कृतिक संरक्षण: शिल्प-आधारित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला भारत की हस्तनिर्मित विरासत को दृश्यमान रखती है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने में मदद करती है।

इंडियाहैंडमेड सबसे अलग कैसे

पोर्टल को विश्वास, पहुंच और विक्रेता सशक्तिकरण के आसपास डिज़ाइन किया गया है। यह एक सहज बाज़ार प्रदान करता है, जहां कारीगर और बुनकर खरीदारों तक पहुंच सकते हैं और खरीदार अधिक आत्मविश्वास के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज कर सकते हैं।

यह प्लेटफॉर्म रोजमर्रा के हस्तनिर्मित उत्पादों और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प के लि एक क्यूरेटेड डिजिटल स्पेस प्रदान करता है। यह परिधान , घर की सजावट, साज-सज्जा, पेंटिंग, फर्नीचर , धार्मिक वस्तुओं, स्टेशनरी, संगीत वाद्ययंत्र , आभूषण, बैग और जूते सहित उत्पादों

की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

यह जीआई-टैग और ओडीओपी उत्पादों जैसी विशेष उत्पाद श्रेणियों पर भी प्रकाश डालता है। यह मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प को अधिक मौजूदगी और एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

जीआई-टैग किए गए उत्पाद जीआई-टैग किए गए उत्पादों में एक भौगोलिक संकेत होता है, जो उन्हें एक विशिष्ट क्षेत्र, गुणवत्ता और प्रतिष्ठा से जोड़ता है। यह प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार के जी आई-टैग वाले उत्पाद जैसे ऐपन कला, शुद्ध पशमीना शॉल, डोकरा सजावट और मुंडू उत्पाद प्रदान करता है।

ओडीओपी उत्पाद

एक जिला एक उत्पाद(ओडीओपी) पहल संतुलित क्षेत्रीय विकास का समर्थन करने के लिए प्रत्येक जिले से एक अद्वितीय उत्पाद की पहचान करती है और उसे बढ़ावा देती है। इस प्लेटफॉर्म में तंगेल साड़ी, बनारसी सिल्क उत्पाद, इकत, तसर सिल्क साड़ी, चंदेरी सिल्क और टेराकोटा उत्पाद शामिल हैं।विश्वास बनाना और विक्रेता की भागीदारी को आसान बनाना बेहतर पहुंच, बेहतर आश्वासन: खरीदारों को मुफ्त शिपिंग, खरीद सुरक्षा, सुरक्षित भुगतान और खरीदार समर्थन प्रणाली के माध्यम से अधिक विश्वसनीय खरीदारी अनुभव से लाभ होता है। यह प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दस्तकारी उत्पादों की पेशकश करके विश्वास को भी मजबूत करता है।

विक्रेताओं के लिए सरल ऑनबोर्डिंग: यह मंच कारीगरों , बुनकरों और उत्पादक संगठनों को बाज़ार तक पहुंचने के लिए एक निर्देशित ऑनबोर्डिंग मार्ग प्रदान करता है।

छोटे विक्रेताओं को डिजिटल व्यापार में लाना जीएसटी पंजीकरण के बिना विक्रेता एक नामांकन आईडी का उपयोग करके पंजीकरण कर सकते हैं, जिसमें केवल अपने राज्य के भीतर बेचने का आदेश है। यह पोर्टल को छोटे कारीगरों और पहली बार डिजिटल विक्रेताओं के लिए अधिक समावेशी और सुलभ बनाता है।

बाज़ार के पीछे की सफलता की गाथाएं इस प्लेटफॉर्म के पीछे कारीगर, बुनकर और

विलोम व्यंग्य: दी ओल्ड झालमुडी डेज

इन दिनों बंगाल में एक अजीब नया संकट है। लोगों के पास कोसने के लिए पुराने मुद्दे नहीं हैं। पहले आदमी सुबह उठता था, चाय पीता था और कट मनी को कोमता था। जीवन में एक उद्देश्य था। एक स्थिरता थी। अब कई लोगों को समझ नहीं आ रहा कि नाश्ते के साथ किसे गाली दें। पुराने दिन याद आते हैं। क्या शानदार व्यवस्था थी।

सरकार कोलकाता से बजट भेजती थी, और वह रुपया इतना मिलनसार था कि रास्ते में सबसे मिलता जुलता चलता था। किसी को निराश नहीं करता था। वह लोकतांत्रिक रुपया था। वह पहले स्थानीय नेतृत्व का हालचाल पूछता था, फिर कार्यकर्ताओं का, फिर व्यवस्था के पुजारियों का। अंत में यदि कुछ बच जाता था तो लाभार्थी के घर भी कभी कभार दस्तक दे देता था।

नई सरकार के रुपये में वह तहजीब नहीं रही।

सीधे डी बी टी खाते में घुस जाता है। न मोहल्ले के पार्टी प्रतिनिधियों से राम राम, न नमस्कार।

पुराने दिनों में जमीनी विकास पार्टी प्रतिनिधियों के कब्जे में था।

यही उसकी सबसे बड़ी विशेषता थी। असली विकास वह होता है जो हर जगह मौजूद हो लेकिन कहीं पकड़ा न जाए। सड़क का पैसा सड़क में न दिखे, पुल का पैसा पुल में न दिखे, योजना का पैसा योजना में न दिखे। वह विकास का आध्यात्मिक रूप था। उसे देखने के लिए मूल रूप से तुण साधना चाहिए होती थी।

अब लोग सड़क देखकर पछुते दिख रहे हैं, यह कैसे बनी।

समय बदल गया है।

मुझे एक सज्जन मिले। बोले, व्यवस्था सुधर गई है।

मैंने कहा, दुखद समाचार है।

बोले, क्यों।

मैंने कहा, इसलिए कि पंद्रह साल का अनुभव नष्ट हो गया। हम लोगों ने एक प्रमाण पत्र बनवाने में जितना जीवन दर्शन सीखा था, उतना आजकल की पीढ़ी विश्वविद्यालय से नहीं सीख पायेगी। एक खिड़की से दूसरी खिड़की तक भटकते हुए आदमी समझ जाता था कि संसार माया है, फाइल सत्य है और बाबू ब्रह्म है। अब आवेदन करो और उत्तर आ जाता है।

आध्यात्मिकता का यह पतन चिंताजनक है।

पुराने समय में कट मनी केवल आर्थिक गतिविधि नहीं थी। वह लोक संस्कृति थी। वह लोक व्यवहार की तरह थी। एक आदमी पैसा देता था , दूसरा आगे बढ़ाता था, तीसरा संभालता था, चौथा वितरित करता था। पूरा तंत्र एक समूहगान की तरह काम करता था। कोई अकेला नहीं खाता था। आजकल लोग भ्रष्टाचार को भी निजी बना देना चाहते हैं। सामूहिकता का यह ह्रास दुःखद है।

तब जनता भी बड़ी समझदार थी।

उसे मालूम था कि उसका काम होने वाला नहीं है, फिर भी वह आवेदन देती थी। उसे मालूम था कि शिकायत का परिणाम शिकायत ही रहेगा, फिर भी शिकायत करती थी। लोकतंत्र में विश्वास ऐसा ही होता है।

अब जनता सवाल पूछने लगी है।

पैसा कहां गया।

काम कब होगा।

लाभ किसे मिला।

राहुल गांधी के लौटने पर सैफुद्दीन सोज़ का जम्मू-कश्मीर पर विवादित बयान, भाजपा ने कांग्रेस से मांगा जवाब
नई दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गां धी के विदेश दौरे से लौटने के तुरंत बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के पूर्व

अध्यक्ष सैफुद्दीन सोज़ के बयान ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। सोज़ के बयान को भाजपा ने “भारत विरोधी” और “निंदनीय ” करार देते हुए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी के लौटते ही कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता द्वारा दिया गया यह बयान देश की संप्रभुता और एकता पर सीधा हमला है। सैफुद्दीन सोज़ ने अपने बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर का मामला केवल राज्य का दर्जा बहाल करने या अनुच्छेद 370को वापस लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह”दाखिली खुदमुस्तारी ानी”संप्रभुता ाका विषय है। उन्होंने इसे इस आधार पर भी जोड़ा कि जम्मू-कश्मीर मुस्लिम बहुल राज्य है और इसे अपनी शर्तों पर भारत के साथ रहना चाहिए। सोज़ के इस बयान के बाद भाजपा ने इसे अलगाववादी सोच को हवा देने वाला बताया। पार्टी का कहना है कि इस तरह की टिप्पणी से न केवल जम्मू-कश्मीर में शांति प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि देश विरोधी तत्वों को भी बल मिलेगा। इस पूरे मामले पर भाजपा ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से दो स्पष्ट सवाल पूछे हैं।

स्वामी, प्रकाशक राजेश त्यागी एवं मुद्रक अभिन्न कुमार द्वारा अभी प्रिंटिंग प्रेस 17, जी प्लोर, नियर पीठ बाजार पुलिया जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड

249408 से मुद्रित कर 1030, सेक्टर 18, ब्लाक ई, ओमेक्स सिटी, सोनीपत, हरियाणा-131029 से प्रकाशित किया। संपादक: राजेश त्यागी 9250993497

महिलाओं में कोलन कैंसर के शुरुआती लक्षण क्या हैं, नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

कोलन कैंसर आमतौर पर उम्र बढ़ने पर हो ने वाली समस्या थी, लेकिन पिछले कुछ सालों में युवाओं में कोलन कैंसर के मामले भी काफी बढ रहे हैं। इसकी शुरुआत आमतौर पर कोलन के अंदर बनेने वाले छोटे-छोटे कोशिकाओं के गुच्छों से होती है जिन्हें पॉलीप्स कहते हैं। पॉलीप्स आमतौर पर कैंसरयुक्त नहीं होते हैं, लेकिन समय के साथ कुछ पॉलीप्स कोलन कैंसर में बदल सकते हैं। पॉलीप्स अक्सर लक्षण पैदा नहीं करते हैं। यही वजह है कि डॉक्टर आंत में पॉलीप्स की जांच के लिए नियमित स्क्रिनिंग टेस्ट कराने की सलाह देते हैं। पॉलीप्स का पता लगाकर उन्हें हटाने से आंत के कैंसर को रोकने में मदद मिलती है। कोलन कैंसर को कभी-कभी कोलोरेक्टल कैंसर भी कहा जाता है। इस शब्द में कोलन कैंसर और रेक्टल कैंसर दोनों शामिल हैं, जो मलाशय में शुरू होता है। एम्स ट्रेड डॉक्टर और गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें वो बता रहे हैं कि युवा महिलाओं में कोलन कैंसर का खतरा तेजी से पनप रहा है। इसके कई कारण हैं जो आपकी लाइफस्टाइल से जुड़े हैं। महिलाओं में कोलन कैंसर के लक्षण कई बार महिलाओं में कोलन कैंसर के लक्षण पीरियड जैसे होते हैं, जैसे क्रेस्पिंग, ब्लोटिंग, मल त्याग की आदतों में बदलाव हो सकता है। लंबे समय तक महिलाएं इन लक्षणों को नजरअंदाज करती रहती है जो धीरे-धीरे कोलन कैंसर में तब्दील हो जाता है। जब तक महिलाएं समझ पाती हैं तब तक 4 में से 3 महिलाओं का कैंसर



एडवांस स्टेज में पहुंच चुका होता है। कोलन कैंसर का कारण क्या है युवा पीढ़ी में कोलन कैंसर का खतरा बढ़ाने का बड़ा कारण अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड को माना जा रहा है। हाई प्रोसेस्ड खाना आंतों में मा इक्रोबायोम डायवर्सिटी को नुकसान पहुंचाता है और आंतों में सूजन पैदा करता है। इससे कैंसर के पनपने का खतरा बढ़ता है। रिपोर्ट्स में सामने आया है कि 2013से कोलन कैंसर का खतरा 34 हर साल बढ़ा रहा है। कोलन कैंसर पनपने का एक और बड़ा कारण फाइबर

की कमी हो भी माना जा रहा है। ज्यादातर महिलाएं अपने दिनभर के फाइबर इन्टेक का 15% ही लेती हैं। जबकि कोलन में मौजूद बैक्टीरिया को करीब 25 फाइबर की जरूरत होती है। फाइबर की कमी आंतों को नुकसान पहुंचाती है और इससे कैंसर का खतरा बढ़ता है। आजकल महिलाओं में क्रोनिक स्ट्रेस बढ़ रहा है। कार्टिसोल के स्तर बढ़ने से आंतों में सूजन आने लगती है, जिससे आंतों के माइक्रोबायोम और कोलन लाइन भी प्रभावित होती है।

कब्ज से छुटकारा दिलाने में सहायक हो सकता है हर्ड़, जान लें इस्तेमाल करने का सही तरीका



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खानपान और तनाव के कारण कब्ज एक बेहद आम समस्या बन चुकी है। पेट साफ न होने के कारण दिनभर भारीपन, गैस, एसिडिटी और सुस्ती बनी रहती है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग दवाओं का सेवन करते हैं। वहीं कुछ लोग आसान घरेलू उपाय की तालाश में वी रहते हैं। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं और आसान घरेलू उपाय की तालाश में हैं, तो हर्ड़ आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। आयुर्वेद में 'हर्ड़' को इसका सबसे अचूक इलाज माना गया है। हर्ड़ को आयुर्वेद में 'विजया' भी कहा जाता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त कर कब्ज को जड़ से खत्म करता है। ऐसे में यहां जान लें इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका क्या है। हर्ड़ में नेचुरली लैक्सेटिव गुण पाए जाते हैं। यह आंतों की कार्यप्रणाली को उत्तेजित करती है और मल त्याग को आसान बनाता है। इसके अलावा, हर्ड़ पेट की पाचक अग्नियों को तीव्र करती है, जिससे खाना पचाना आसान हो जाता है और कब्ज की समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा मिल

जाता है। हर्ड़ इस्तेमाल करने का सही तरीका कब्ज से राहत पाने के लिए हर्ड़ का उपयोग सही समय और सही मात्रा में इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। गुनगुने पानी के साथ हर्ड़ चूर्ण इसके लिए आधा छोटा चम्मच हर्ड़ का चूर्ण लें। इसे रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गुनगुने पानी के साथ निगल लें। यह रातभर आंतों की सफाई करता है और सुबह पेट पूरी तरह साफ हो जाता है। हर्ड़ और गुड़ का मिश्रण यदि आपको चूर्ण का स्वाद पसंद न आए, तो आप हर्ड़ के पाउडर को थोड़े से गुड़ के साथ मिलाकर छोटी-छोटी गो依据ियां बना सकते हैं। रात के भोजन के आधे घंटे बाद एक गोली गुनगुने पानी से लें। त्रिफला के रूप में हर्ड़ , बहेड़ा और आंवला से मिलकर त्रिफला बनता है। अगर कब्ज बहुत पुरानी या गंभीर है, तो रात में त्रिफला चूर्ण का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

घर पर बनाएं रेस्तेरेंट जैसी क्रीमी मलाई चाप, यहां से नोट कर लें स्टेप-बा-स्टेप रेसिपी बरसात के मौसम में अक्सर लोगों का मन कुछ चटपटा और क्रीमी खाने का करता है। लेकिन लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ क्रीमी और जायकेदार ड्राई करना चाहते हैं तो मलाई चाप आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इसे बनाना भी आसान है। रेस्तेरेंट स्टाइल क्रीमी मलाई चाप बनाने के लिए यहां बताई गई रेसिपी फॉलो कर सकते हैं। यहां से फटाफट नोट कर लें क्रीमी मलाई चाप की रेसिपी।



स्टेप 1 सबसे पहले सोया चाप को पानी में थोड़ा सा नमक डालकर 5-7 मिनट के लिए उबाल लें। इससे चाप सॉफ्ट हो जाएगी। अब इसे पानी से निकालकर ठंडा करें, इसकी स्टिक को निकालें और मनचाहे टुकड़ों में काट लें। स्टेप 2 एक कड़ाई में तेल गर्म करें और चाप के टुकड़ों को हल्का सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। ध्यान रहे, इन्हें ज्यादा कड़ा नहीं करना है। फ्राई करने से चाप की परतें खुल जाती हैं, जिससे मसाला अंदर तक जाता है। स्टेप 3 एक बड़े बाउल में गाढ़ा दही, काजू पेस्ट, अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च पेस्ट, काली मिर्च, कसूरी मेथी, स्वादानुसार नमक और 2चम्मच क्रीम मिलाकर एक स्मूद पेस्ट बना लें। अब फ्राई की हुई चाप को इस मिक्सचर में डालकर अच्छे से मिलाएं और 20-30 मिनट के लिए मैरिनेट होने के लिए छोड़ दें। स्टेप 4 एक पैन या तवे पर 1चम्मच मक्खन गर्म करें। मैरिनेट की हुई चाप के टुकड़ों को पैन पर रखें। इन्हें पलट-पलट कर तब तक सेंकें जब तक इन पर हल्के ब्राउन ग्लि मार्क्स न आ जाएं।

रागी अंबली ड्रिंक रेसिपी घर पर आसानी से कैसे बनाएं

आज हम आपके लिए कैल्शियम से भरपूर रागी की ख़ास रेसिपी लेकर आए हैं। रागी से बनने वाली रागी अंबली, दक्षिण भारत का एक पौष्टिक ड्रिंक है। यह ड्रिंक पेट की गर्मी को दूर करती है और पाचन को भी बेहतर करती है इसलिए गरम मौसम में लोग इसका सेवन खूब करते हैं। इसे बनाने के लिए दही का भी इस्तेमाल किया जाता है। जिस वजह से यह प्रोबायोटिक से भी भरपूर होती है। तो, चलिए जानते हैं कैसे बनाएं रागी अंबली

रागी का आटा 1कप, पानी 1कप, गर्म पानी 3कप, पानी 5कप, दही 1कप, हरी मिर्च 2,अदरक 1इंच, कढ़ी पत्ता 1015,हरा धनिया, नमक स्वादानुसार रागी अंबली बनाने की विधि:

सबसे पहले रागी का घोल बनाएं। एक कटोरे में रागी का आटा और 1कप पानी डालें, और इसे तब तक फेंटें जब तक कि यह पूरी तरह से घोल न बन जाएं।

अब , एक कड़ाही में 3कप गर्म पानी उबालने के लिए रखें। जब पानी में उबाल आ जाए, तो लगातार चलाते हुए धीरे-धीरे घोल डालें। मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं। जब यह अच्छी तरह गाढ़ा हो जाए, तो गैस बंद कर उसे ढक दें 34 मिनट तक भाप में पकने दें। भाप में पकने के बाद यह और भी गाढ़ा हो जाएगा। आंच बंद कर दें और इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें।

अब , फर्मेंटेशन के लिए, मिट्टी का बर्तन लें और उसमें 5 कप पानी डालें। ठंडे हो चुके रागी के



मिश्रण के छोटे-छोटे हिस्से लें और उन्हें एक-एक करके पानी में डालते जाएं। जब सारा मिश्रण पानी में चला जाए, तो बर्तन को ढक दें और फर्मेंटेशन के लिए छोड़ दें।फर्मेंटेशन में लगभग 810घंटे का समय लगेगा। रागी अम्बाली बनाने में फर्मेंटेशन का यह चरण सबसे महत्वपूर्ण है। जब खट्टी-न्सी महक आने लगे, तो समझ जाएं कि आपकी अम्बाली अब बनकर तैयार है।

फर्मेंटेशन के बाद, रागी के टुकड़ों को पानी में तब तक अच्छी तरह मसलें जब तक कि वे पूरी तरह से घुल न जाएं। अब इसमें दही डालें और व्हिस्क की मदद से तब तक अच्छी तरह मिलाएं जब तक कि अम्बाली एकदम चिकनी न हो जाए।

एक चॉपर में, मोटे-मोटे कटे हुए हरी मिर्च, अदरक , करी पत्ता और ताज़ा हरा धनिया डालें। इन सभी चीज़ों को बारीक काट लें और नमक के साथ अम्बाली में मिला दें। पौष्टिक रागी अम्बाली अब बनकर तैयार है।

संगीत से बढ़ सकती है आपकी उत्पादकता, जानिए यह कैसे है मददगार



संगीत हमारे जीवन का अहम हिस्सा है, जो केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं है। यह न केवल हमें आनंदित करता है, बल्कि हमारी उत्पादकता को भी बढ़ा सकता है। सही प्रकार का संगीत सुनने से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। आज हम जानेंगे कि कैसे संगीत हमारी उत्पादकता को बढ़ा सकता है और किन तरीकों से इसे अपने जीवन में शामिल किया जा सकता है। संगीत करते समय सही धुन चुनना बहुत जरूरी है। धीमी और शांत धुन, जैसे शास्त्रीय या हल्के संगीत आपके दिमाग को शांत करते हैं और आपको अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। तेज और ऊर्जा से भरपूर धुन आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे आप अधिक उत्पादित महसूस करते हैं। इस प्रकार की धुन आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। ध्यान लगाएं ध्यान लगाने के लिए भी संगीत का उपयोग किया जा सकता है। कुछ विशेष प्रकार की धुनें, जैसे

ध्यान संगीत या तंत्र धरेपी आपके मन को शांत करती हैं और ध्यान लगाने में मदद करती हैं। इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अधिक फोकस होकर काम कर पाते हैं। इस प्रकार की धुन सुनने से आपके दिमाग की क्षमता बढ़ती है और आप अपने कार्यों में अधिक समर्पण और ध्यान लगा पाते हैं। तनाव कम करें संगीत सुनने से तनाव कम करने में भी मदद मिलती है। जब आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों तो कुछ मिनट के लिए आरामदायक धुन सुनना आपके मनोबल को बढ़ा सकता है और आपको शांत महसूस करवा सकता है। इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से कर पाते हैं। यह तरीका न केवल आपको मानसिक शांति देता है, बल्कि आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। रचनात्मकता बढ़ाएं रचनात्मक कार्यों के लिए भी संगीत बहुत अहम होता है।

मानसून में इन फूड्स से रहें दूर, नहीं तो पड़ सकते हैं बीमार, जानें Monsoon में कैसे रखें सेहत का ध्यान



आसमान में छाए काले बादल और रिमझिम बारिश का मौसम अमूमन हर किसी को सुहावना लगता है। लेकिन यह मौसम अपने साथ कई तरह के बैक्टीरिया, वायरस और फंगल इंफेक्शन भी लेकर आता है। मानसून में हमारी पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, जिससे फूड पॉइजनिंग और पेट दर्द की समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस मौसम में खट को फिट रखने के लिए आपको अपनी डाइट का बेहद ख़ास ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस मौसम में लोगों का मन अक्सर कुछ चटपटा खाने का करता है। लेकिन मानसून में कुछ चीजों का सेवन आपको बीमार बना सकता है। यहां हम आपको कुछ ऐसे फूड्स

के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका सेवन मानसून में आपके लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है। इन 4चीजों से तुरंत बना लें दूरी सड़क किनारे मिलने वाले स्ट्रीट फूड बारिश के मौसम में गोलगप्पे, चाट और पकौड़े खाने का मन सबसे ज्यादा करता है। लेकिन खुले में मिलने वाले इन फूड्स में बैक्टीरिया का खतरा सबसे अधिक होता है। इनमें इस्तेमाल होने वाला पानी और तेल दूषित हो सकता है, जिससे टाइफाइड या डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में इन फूड्स से दूरी बनाएं। पत्तेदार सब्जियां

पालक , पत्तागोभी और मेथी जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां वैसे तो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं, लेकिन मानसून में इनमें कीड़े और बैक्टीरिया पनपने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। नमी के कारण इन्हें साफ करना मुश्किल होता है। सी-फूड बारिश का मौसम मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के प्रजनन का समय होता है। इस दौरान सी-फूड खाने से फूड पॉइजनिंग और पेट इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। कटी हुई सब्जियां और फल बाजार में मिलने वाले पहले से कटे हुए फल और जूस पीने से बचें। हवा में मौजूद नमी के कारण कटे हुए फलों पर बैक्टीरिया बहुत जल्दी हमला करते हैं। मानसून में कैसे रखें सेहत का ध्यान गुनगुना और साफ पानी पिएं इस मौसम में वॉटर-बॉन बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा होता है। हमेशा पानी को उबालकर या फिल्टर करके ही पिएं। हर्बल टी और काढ़ा अपनी डाइट में अदरक, तुलसी, काली मिर्च और लौंग से बनी हर्बल चाय शामिल करें। यह आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करेगी। हल्का और ताजा भोजन घर पर बना गर्म और सुपाच्य भोजन ही खाएं। खिचड़ी, सूप और उबली हुई सब्जियां इस मौसम के लिए बेस्ट हैं।

सब्जियों को अच्छे से धोएं

लेस के कपड़े पहनने की शौकीन हैं इन 5 आउटफिट को बनाएं अलमारी का हिस्सा

लेस एक ऐसा कपड़ा है, जो नाजुकता और आकर्षण का अनोखा मेल प्रस्तुत करता है। यह न केवल सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि आराम भी देता है। आजकल लेस के कपड़े बहुत लोकप्रिय हो गए हैं, खासकर महिलाओं के बीच। इस लेख में हम आपको 5ऐसे लेस के कपड़ों के बारे में बताएंगे, जो आपकी अलमारी में चार चांद लगा सकते हैं और आपको हर मौके पर ख़ास महसूस करवाएंगे। लेस की ड्रेस लेस की ड्रेस किसी भी अवसर पर पहनने के लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। चाहे वह शादी हो या कोई पार्टी, लेस की ड्रेस हमेशा आकर्षक लगती है। यह न केवल आपको सुंदर दिखाती है, बल्कि आरामदायक भी होती है। आप इसे अपने पसंदीदा जूतों और गहनों के साथ पहना जा सकता है, जिससे आपका लुक अलग हो जाएगा। लेस की ड्रेस पहनने से आपका लुक न केवल ख़ास लगेगा, बल्कि आप आत्मविश्वास से भरी भी महसूस करेंगी। लेस टॉप लेस टॉप रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत अच्छे होते हैं। इन्हें जींस या स्कर्ट के साथ पहना जा सकता है, जिससे आपका लुक हमेशा नया और ताज़गी भरा लगेगा। लेस टॉप न केवल स्टाइलिश होते हैं, बल्कि इन्हें पहनने से आपको पूरा दिन आराम भी महसूस होता है। इन्हें ख़ास मौकों पर भी पहना जा सकता है।

लेस टॉप आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकते हैं, जो हर मौके पर आपको ख़ास बनाएंगे। लेस स्कर्ट लेस स्कर्ट किसी भी महिला की अलमारी में होना जरूरी होता है। इसे किसी भी साधारण टी-शर्ट या ब्लाउज के साथ मिलाकर पहना जा सकता है। लेस स्कर्ट पहनने से आपका लुक न केवल ख़ास लगेगा, बल्कि आप आत्मविश्वास से भरी भी महसूस करेंगी। इसे ऊंची एंडी के जूतों के साथ पहनने से आपका लुक और भी आकर्षक बनता है। लेस स्कर्ट आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकती है, जो हर मौके पर आपको ख़ास बनाएगा। लेस जैकेट लेस जैकेट ठंड के मौसम में भी फैशन का हिस्सा बन सकती हैं। इन्हें किसी साधारण कुर्ते या टी-शर्ट के ऊपर पहनें और अपना लुक पूरा करें। लेस जैकेट न केवल आपको गर्म रखेगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएगी। इसे जींस या फॉर्मल पैट, दोनों के साथ पहना जा सकता है। लेस जैकेट आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकती है, जो हर मौके पर आपको ख़ास बनाएगा और आपको आत्मविश्वास से भरी महसूस करवाएगी। लेस कुर्तियां लेस कुर्तियां पारंपरिक और आधुनिकता का



अनोखा मेल प्रस्तुत करती हैं। इन्हें किसी भी पारंपरिक पैट या धोती के साथ पहना जा सकता है। लेस कुर्तियां न केवल सुंदर दिखाती हैं, बल्कि इन्हें पहनने से आपको पूरा दिन आराम भी महसूस होता है। इन 5 लेस के कपड़ों से आप अपनी अलमारी को नया रूप दे सकती हैं और हर मौके पर ख़ास महसूस कर सकती हैं। इनमें आपको ट्रेंडी लुक मिल जाएगा।

यश की टाक्सिक बनी रोड़ा बाक्स आफिस पर करोड़ों की जंग से पीछे हटी ईथा

श्रद्धा कपूर के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मैडॉक फिल्म के बैनर तले बन रही फिल्म ईथा अब अपनी तय तारीख यानी 28अगस्त को रिलीज

हो पाएगी, आइए जानते हैं। एक सूत्र ने बताया, फिल्म के निर्माता मैडॉक फिल्म्स इस उलझन में हैं कि फिल्म को तय समय से पहले रिलीज



नहीं होगी। निर्माता इस फिल्म को समय से पहले या फिर आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। श्रद्धा की फिल्म तय तारीख पर सिनेमाघरों में रिलीज क्यों नहीं

किया जाए या फिर इसे आगे बढ़ाया जाए। हालांकि, एक बात पूरी तरह साफ है कि वे इस फिल्म को अपनी पुरानी तारीख यानी 28अगस्त को रिलीज करने के मूड में नहीं हैं। अगले कुछ ही दिनों में नि मांता रिलीज

तारीख में बदलाव को लेकर एक आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।पिछले हफ्ते तक अगस्त के आखिरी वीकेंड पर 4फिल्में रिलीज होने वाली थीं। इस स्लॉट को सबसे पहले अनुपम खेर और बोमन ईरानी अभिनीत सीक्रेल फिल्म खोसला का घोसला 2ने बुक किया था। इसके बाद द वन के निर्माताओं ने भी 28 अगस्त की तारीख चुनी। हालांकि, हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की इस जंगल एडवेंचर फिल्म की रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी गई है और अब ये 25 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। कन्नड़ सुपरस्टार यश और कि यारा आडवाणी की बहुप्रतीक्षित फि ल्म टॉक्सिक बुधवार, 26 अगस्त को रिलीज होने वाली है। 1ही हफ्ते में 4फिल्में होने के कारण टकराव तय था। ट्रेड सूत्रों के अनुसार, ईथा के निर्माता टॉक्सिक जैसी बड़ी फिल्म से भिड़ंत टालना चाहते हैं, जो कि एक समझदारी भरा फैसला है। दोनों ही फिल्मों से बंपर कमाई की उम्मीद है। ऐसे में टकराव होने से विशेषकर महाराष्ट्र जैसे महत्वपूर्ण बाजार में दोनों का कारोबार बंट सकता है। लक्ष्मण उतेकर द्वारा नि र्देशित फिल्म ईथा में श्रद्धा दिग्गज मराठी तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका में हैं। दिनेश विजान द्वारा निर्मित इस फिल्म में रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्युब भी अहम किरदारों में हैं। अब देखना होगा कि फिल्म पहले रिलीज होती है या बाद में। अगर इसे पहले रिलीज किया गया तो ये स्वतंत्रता दिवस वीकेंड या 7 अगस्त को आ सकती है और अगर आगे बढ़ाया गया तो फिल्म सितंबर में रिलीज हो सकती है।

सलमान खान की मातृभूमि के लिए करना पड़ सकता है लंबा इंतजार, आया ये अपडेट



सलमान खान की फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस को अगस्त में रिलीज किया जाना था। अब लगता है कि फैस को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है, क्योंकि इसकी रिलीज के आसार इस साल तो दूर-दूर तक नहीं दिख रहे हैं। ताजा अपडेट है कि फिल्म को रिलीज करने की हर संभव कोशिश जारी है, लेकिन यह इस साल तक टल सकती है। बता दें, फिल्म मातृभूमि का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने कहा, मामले अभी तक सुलझे नहीं हैं। अगर ये जल्द सुलझ भी जाते हैं, तब भी अच्छी रिलीज स्लॉट मिलना मुश्किल होगा , क्योंकि ज्यादातर तारीखें बुक हो चुकी हैं। हमारी इंडस्ट्री में यह आम बात है कि अभिनेता

और फिल्म निर्माता किसी दूसरी फिल्म की पहले से बुक की गई तारीख पर फिल्म रिलीज कर देते हैं। लेकिन सलमान खान अपवाद हैं। वह बेवजह किसी दूसरी फिल्म से टकराव में विश्वास नहीं रखते। सूत्र ने आगे कहा, अगर समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो मातृभूमि अगले साल के लिए टल जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि सलमान की 2027में 2फिल्में रिलीज हो सकती हैं। सलमान की एसबीसी63ईड, 2027पर रिलीज के लिए तैयार है, जिसमें उनके साथ नयनतारा हैं। बता दें, मातृभूमि भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच 2020 में हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है।

पिटबुल के कान्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे, गाया रेन ओवर मी सान्ग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में विंबलडन 2026पुरुष एकल सेमीफाइनल का मुकाबला देखा। इसके बाद उन्होंने क्यूबा-अमेरिकी रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का आनंद लेते हुए अपनी कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की। अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या पांडे ने पहले विंबलडन मुकाबले की कुछ झलकियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने पिटबुल के कॉन्सर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वह अन्य प्रशंसकों के साथ वर्ष 2011के लोकप्रिय गीत रेन ओवर मी पर झूमती और गाती नजर आई। इस वीडियो के साथ अनन्या पांडे ने कैप्शन में लिखा, पिटबुल एट द पार्कोरेन ओवर मी पिटबुल का लोकप्रिय गीत है, जो उनके छठे स्टूडियो एल्बम प्लैनेट पिट का हिस्सा है। इस गीत में प्यूर्टो रिको-अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी आवाज दी है। इस गीत को पिटबुल , मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था। पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 2000के दशक की शुरुआत में की थी। वह रेगेटन , लैटिन ट्रिप-हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम एम.आई.ए.एम.आई . था। इसके बाद उनके एल्बम एल मारिएल और द बोटलिफ्ट भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200की सूची में शामिल हुए। पिटबुल के चौथे एल्बम पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूथन ने उन्हें मुख्यधारा में बड़ी पहचान दिलाई। इस एल्बम के आई नो यू वॉंट मी (कैले ओचो) और होटल रूम सर्विस जैसे



गीत काफी लोकप्रिय हुए। इससे पहले अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आई। मैच के दौरान उन्होंने चमकीले लाल रंग की पॉपलिन ड्रेस पहनी हुई थी। अभिनय की बात करें तो अनन्या पांडे की हालिया फिल्में तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और चांद मेरा दिल बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। चांद मेरा दिल एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसकी कहानी विवेक सोनी और तुषार परांजपे ने मिलकर लिखी है। फिल्म में अनन्या पांडे के साथ लक्ष्य भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म कॉलेज में प्यार करने वाले एक जोड़े की कहानी है। बड़े होने के बाद जब दोनों नई जिम्मेदारियों का सामना करते हैं, तो उनके रिश्ते की परीक्षा होती है और उन्हें प्यार के बारे में अपनी सोच पर दोबारा विचार करना पड़ता है।

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला दोबारा नहीं करेंगी शादी, अकेली गुजारेंगी जिंदगी

अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक और खुद के बायसेक्शुअल होने की चर्चाओं के बाद अभिनेत्री



आकांक्षा चमोला ने कहा है कि वह दोबारा शादी नहीं करेंगी। फराह खान और रितेश देशमुख के होस्ट किए जाने वाले नेटफ्लिक्स शो लॉक अप: सच या सजा के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल में दिल की बातें करती नजर आई। आकांक्षा ने पामेला से कहा कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र 24साल थी। इस पर पामेला ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है।आकांक्षा ने जवाब दिया, नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले

रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की जिंदगी अकेले ही बिताऊंगी। फिलहाल शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहुजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी , हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन घोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आ रहे हैं। लॉकअप का पहला सीजन साल 2022में आया था , जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था। पूरे सीजन में करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। इस सीजन के विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे। लॉकअप के दूसरे सीजन में 6हफ्तों तक 14कैदी , दो जेलर और एक लॉक-अप होगा। शो के नियमों के मुताबिक, कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमाना होगी। पिछले हफ्ते जजमेंट डे के दौरान आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह बायसेक्शुअल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गौरव से शादी से पहले उनके महिलाओं के साथ रिश्ते रह चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा चमोला ने कहा, मैं शादी से पहले उभयलिंगी थी। मेरे रिश्ते कुछ लड़कियों के साथ हैं। बहुत ज्यादा अंतरंग संबंध नहीं रह रहे हैं लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ संबंधों में रही हूँ। उन्होंने बताया कि उन्हें महिलाओं के साथ ज्यादा सहज महसूस होता है और उनकी संगति में वह खुद को बेहतर महसूस करती हैं।

अखिल अविकनेनी की मासएक्शन ड्रामा फिल्म लेनिन का तहलका, 4 दिनों में दुनिया भर में 67.2 करोड़ की कमाई की

मुरली किशोर अब्बूर के डायरेक्शन में बनी अखिल अक्किनेनी की मास एक्शन ड्रामा फिल्म ले लिन ने 4 दिनों में दुनिया भर में



67.2करोड़ रुपये की कमाई की है। मेकर्स ने कन्फर्म किया है कि फिल्म तीसरे दिन ही मुनाफ़े वाले ज़ोन में आ गई थी। ज़बरदस्त एक्शन , थ्रम का बैकग्राउंड म्यूजिक और भाव्यश्री बोसे के रोल की वजह से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बड़ी संख्या में दर्शक सिनेमाघरों तक पहुँचे।फिल्म ने पहले दिन दुनिया भर में 16.7 करोड़ रुपये की ओपनिंग की, जो अखिल के करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है। वीकेंड की रफ़्तार की वजह से 3दिनों में कुल कमाई 61.1 करोड़ रुपये तक पहुँच गई। ट्रेड रि पोर्ट्स के मुताबिक , लोगों की पॉजिटिव प्रतिक्रिया और ग्रामीण इलाकों में फिल्म की लोकप्रियता के कारण डिस्ट्रीब्यूटर्स ने अपना इन्वेस्टमेंट जल्दी ही वसूल कर लिया। सोमवार को दुनिया भर में 6.1 करोड़ रुपये की कमाई के साथ कलेक्शन में बड़ी गिरावट देखी गई। फिर भी, वीएमएस पर 74 हज़ार से ज़्यादा टिकट बिके, जो दर्शकों की लगातार दिलचस्पी को दिखाता है।

इमरान हाशमी शैतानी दुनिया में करेंगे वापसी, नई हारर फिल्म रूह का हुआ ऐलान, आई पहली झलक



बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी अलकमिंग फिल्म आवारापन 2को लेकर सुर्खियों में है . इसी बीच उनकी एक और नई फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है. वो एक बार फिर हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं. एक्टर जल्द ही फिल्म रूह में नजर आने वाले हैं. हाल ही में मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक दिखाई है.मेकर्स ने आज इस फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ इसका एक डरावना फर्स्ट लुक भी जारी किया है, जिसने फैस का एक्साइटमेंट और बढ़ा दिया है. . मेकर्स ने 52सैंक्रेड का वीडियो शेयर किया है.रूह का फर्स्ट-लुक टीजर एक दमदार और डरावनी अवाज के साथ शुरू होता है.इसके बाद वीडियो में हवा में तैरती हुई एक लड़की की झलक देखने को मिलती है, वीडियो में आगे एक हाथ

धुंधला सा शीशा साफ करता है, जिसके बाद इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है.और अचानक इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती है. . इसके बाद फिल्म का टाइटल रूह लिखा नजर आता है.इमरान हाशमी ने इससे पहले राज: द मिस्ट्री कंटीन्यूज, राज 3,राज रीबूट और एक थी डायन जैसी हॉरर फिल्मों में काम किया है. अब रूह के साथ इमरान एक बार फिर उसी डर और रहस्य से भरी दुनिया में लौट रहे हैं.मेकर्स ने आगे बताया कि फिल्म अगल साल 2027में थिएटर्स में रिलीज होगी और ये हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी दर्शकों तक पहुंचेगी. फिल्म रूह का निर्देशन मयंक शर्मा कर रहे हैं. इस फिल्म की कहानी मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने मिलकर लिखी है.

फीफा वल्ड कप 2026:फाइनल में पहुंचा स्पेन, सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से दी मात

मैक्सो सिटी (एजंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026के पहले सेमीफाइनल में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। डलास में खेले गए इस मुकाबले में स्पेन ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। फ्रांस के स्टार खिलाड़ी कि लियन एमबापे भी मैच में कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। इस जीत के साथ स्पेन ने इतिहास में दूसरी बार विश्व कप फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले टीम 2010में फाइनल में पहुंची थी और पहली बार विश्व चैंपियन बनी थी। अब खिताबी मुकाबले में स्पेन का सामना डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बी च खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। मैच के पहले हाफ में स्पेन ने आक्रामक खेल दिखाया। 22वें मिनट में स्पेन के युवा खिलाड़ी लामिन यमाल गेंद लेकर फ्रांस के पेनल्टी बॉक्स में पहुंचे, जहां फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिब्रे ने उन्हें फाउल कर दिया। रेफरी ने स्पेन को पेनल्टी दी, जिसे मिकेल ओयरजाबल ने शानदार तरीके से गोल में बदलते हुए टीम को 1-0की बढ़त दिला दी। पहले हाफ तक यही स्कोर कायम रहा। दूसरे हाफ में भी स्पेन ने अपना दबदबा बनाए रखा। 58वें मिनट में पेद्रो पो रो ने दा नी ओल्मो के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए शानदार गोल दागा और स्पेन की बढ़त 2-0कर दी। इसके बाद फ्रांस वापसी नहीं कर सका और स्पेन ने मुकाबला अपने नाम कर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया।दूसरा सेमीफाइनल डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच भारतीय समयानुसार 16जुलाई की देर रात 12:30बजे अटलांटा में खेला जाएगा। इस मुकाबले की विजेता टीम फाइनल में स्पेन से भिड़ेगी।वहीं, पहले सेमीफाइनल में हारने वाली फ्रांस की टीम अब दूसरे सेमीफाइनल में हारने



वाली टीम के खिलाफ 19 जुलाई को तीसरे स्थान के लिए मुकाबला खेलेगी। जबकि फीफा वर्ल्ड कप 2026का फाइनल 20 जुलाई को न्यू जर्सी (न्यूयॉर्क महानगरीय क्षेत्र) में खेला जाएगा। फ्रांस के पूर्व डिफेंडर लुइस फर्नांडीज ने फीफा विश्व कप 2026का खिताब जीतने के लिए फ्रांस का समर्थन किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि स्पेन अगर फ्रांस को बाहर कर देता है, तो उनके लिए भी मुझे खुशी होगी।स्पेन और फ्रांस बुधवार को डलास स्टेडियम में सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। वर्ल्ड कप के फाइनल स्टेज में ये दोनों टीमें दूसरी बार एक-दूसरे का सामना करेंगी। इससे पहले 2006में राउंड ऑफ 16में फ्रांस ने स्पेन को 3-1से हराया था।

दक्षिणी स्पेन में जन्मे लेकिन फ्रांस में पले-बढ़े 66वर्षीय फर्नांडीज आज भी दोनों देशों से गहराई से जुड़े हुए हैं, जिससे इन दो दिग्गज टीमों के बीच होने वाले मुकाबले पर उनका नजरिया काफी दिलचस्प हो जाता है। फर्नांडीज ने फीफा से कहा, मेरे मन में स्पेन के लिए हमेशा से एक खास जगह रही है। मुझे स्पेनिश फुटबॉल पसंद है, खासकर मिडफील्ड में उनकी परंपरा। मैं लुइस डे ला फुर्ते के काम का भी बहुत बड़ा प्रशंसक हूँ क्योंकि उन्होंने एक बेहतरीन टीम बनाई है जो दो साल पहले यूरोपियन चैंपियन बनी थी। सर्जियो बुस्केट्स, जावी और आंद्रेस इनिस्ता जैसे खिलाड़ियों के साथ स्पेन की हमेशा से एक अलग पहचान रही है।

रोहित-बुमराह-कुलदीप के लौटने से टीम इंडिया होगी मजबूत, नायर ने जताया भरोसा

नई दिल्ली (एजंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि इंग्लैंड के

अच्छे से सामना कर सकते हैं और शॉर्ट गेंद पर रन बना सकते हैं। भारत को शुभमन गिल और रोहित शर्मा दोनों से यही



खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा की वापसी से भारत की बल्लेबाजी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि रोहित का अनुभव और शॉर्ट-पिच गेंदबाजी के खिलाफ उनकी कामयाबी का असर तुरंत दिखेगा। अभिषेक नायर ने जियोस्टार पर कहा, टी20 सीरीज में भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती शॉर्ट पिच गेंद थी। रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जो शॉर्ट-पिच गेंदबाजी का बखूबी फायदा उठाते हैं और उस पर खूब रन बनाते हैं। अगर आप विदेशी पिचों पर अच्छा खेलते हैं, तो इसकी एक वजह यह है कि आप तेज गेंदबाजी का

मिलेगा। नायर को लगता है कि रोहित की मौजूदगी ही इंग्लैंड को अपनी गेंदबाजी की रणनीति बदलने पर मजबूर कर सकती है। उन्होंने कहा , इंग्लैंड को अपनी रणनीति बदलनी होगी और उनके खिलाफ अलग तरह से गेंदबाजी करनी होगी। बड़े खिलाड़ी यही करते हैं, वे अपने खेलने का तरीका नहीं बदलते, बल्कि विरोधी टीम को उन्हें टारगेट करने का तरीका बदलने पर मजबूर कर देते हैं। रोहित की वापसी से भारत को निश्चित रूप से फायदा होगा। जब आप बड़ी सीरीज और बड़े टूर्नामेंट में जाते हैं, तो अनुभव

आपको आत्मविश्वास देता है।

पूर्व सहायक कोच ने जसप्रीत बुमराह की वापसी का स्वागत करते हुए कहा, अनुभव के साथ, आप समझ जाते हैं कि अपने काम का बोझ कैसे संभालना है। मुझे यकीन है कि वह गेंदबाजी करेंगे, अपने ओवरों पर नजर रखेंगे और धीरे-धीरे अपनी फिटनेस और कंडीशनिंग को बेहतर बनाएंगे ताकि वे 10 ओवर गेंदबाजी कर सकें। बुमराह के पास जो हुनर है, वह लंबे फॉर्मेट और 50-ओवर के क्रिकेट में बहुत कीमती है, जहां आप स्पेल में गेंदबाजी कर सकते हैं। यह जान सकते हैं कि कब अपनी गति बढ़ानी है और कब अपनी धीमी गेंदों का इस्तेमाल करना है, जो बहुत असरदार होती हैं।

उन्होंने कहा, बुमराह को पता है कि अपने खेल को कैसे बेहतर बनाना है। उन्होंने पूरा आईपीएल खेला है। वे इसके लिए तैयारी कर रहे थे। आप बस उन्हें सावधानी से संभालना चाहेंगे। इन तीन मैचों में भी, आप चाहेंगे कि वे ज्यादा से ज्यादा दो ही मैच खेलें।

कुलदीप यादव पर नायर ने कहा, उन्होंने ने तब अच्छा प्रदर्शन किया है जब उन्हें पिच से गति मिली है। भले ही उनका आईपीएल बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन कुलदीप यादव के बारे में एक बात जो मुझे बहुत अच्छी लगी, वह यह है कि उन्होंने अपनी गति में बदलाव करना सीख लिया है। उन्होंने कहा कि स्पिनर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए टीम मैनेजमेंट का भरोसा बहुत जरूरी होगा।

इंग्लैंड पर भारत की जीत से गदगद दीप्ति के माता-पिता, बोले यह भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल

आगरा (एजंसी)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स में खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट में मेजबान इंग्लैंड की टीम को शर्मनाक तरीके से हराया। भारतीय टीम ने 270 रन से बड़े अंतर से जीत दर्ज की। इस जीत में अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी गेंद और बल्ले से अहम योगदान दिया। टीम इंडिया की जीत के बाद दीप्ति के माता-पिता बेहद खुश नजर आए। दीप्ति के माता-पिता भगवान शर्मा और सुशीला शर्मा ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व पर भरोसा जताया और एशियन गेम्स में टीम की सफलता की कामना की।

आईएनएस से बात करते हुए दीप्ति के पिता भगवान शर्मा ने कहा, लड़कियों का यह पहला टेस्ट मैच था और हमारी टीम ने इंग्लैंड को 270रनों के बड़े अंतर से हराया। सभी लड़कियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, इसीलिए वे जीतीं। यह बहुत गर्व की बात है।

उन्होंने कहा, मैंने टीवी पर देखा कि सचिन तेंदुलकर भी मैदान पर मौजूद थे। उन्होंने भी लड़कियों को बधाई दी और उनसे हाथ मिलाया। मैं दीप्ति से यही कहना चाहूंगा कि उसने पहली पारी में 1 विकेट और दूसरी पारी में 2 विकेट लिए। यह बहुत अच्छा प्रदर्शन है। ऐसा ही प्रदर्शन जारी रखें।

वता दें कि दीप्ति ने पहली पारी में 57 रन भी बनाए थे और भारत के स्कोर को 285 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

सितंबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए, भगवान शर्मा ने



भारतीय टीम से अपनी ऐतिहासिक सफलता को आगे बढ़ाने और एक और बड़े खिताब जीतने की बात कही।उन्होंने कहा, अगला एशियाई खेल सितंबर में जापान में है। उसे वहां भी अच्छा प्रदर्शन करना है। पूरी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना है और स्वर्ण पदक जीतना है।दीप्ति का मां सुशीला शर्मा ने आईएनएस से कहा, मेरी खुशी का कोई ठिकाना नहीं था। पहले मुझे इस खेल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। जब उसका भाई खेलने जाता था, तो मैं कहती थी,‘तुम स्कूल क्यों नहीं गए?’O लेकिन जब से दीप्ति ने खेलना शुरू किया है, मुझे खेल समझ आने लगा है। मैं मैच देखती हूँ। घर का काम छोड़कर मैच देखती हूँ।

उन्होंने कहा कि भारत के हर मैच के दौरान

न सिर्फ दीप्ति के लिए, बल्कि पूरी टीम के लिए दुआएं की जाती हैं। मैं मंदिर जाती हूँ, वहां बैठकर प्रार्थना करती हूँ और भगवान की पूजा करती हूँ। दीप्ति ने अच्छे रन बनाए हैं। उसने अच्छे विकेट लिए हैं। देश की सभी बेटियों ने अच्छा खेला है। अब मैं देश की सभी बेटियों के लिए प्रार्थना करती हूँ। जब हर बेटी अच्छा खेलेगी, तो टीम जरूर जीतेगी और देश का नाम रोशन करेगी।

सुशीला ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि लॉर्ड्स में भारत की यादगार जीत के बाद उन्हें जो गर्व महसूस हुआ, वह देश का प्रतिनिधित्व करने वाले हर खिलाड़ी के लिए था। मैं सभी बेटियों को उतना ही आशीर्वाद देती हूँ, जितना अपनी बेटी को देती हूँ।

निकोलस पूरन ने MLC में तोड़ा फिनएलन का सबसे तेज शतक का रिकार्ड, सिर्फ 31 गेंदों में जड़ दी सेंचुरी

वाशिंगटन (एजंसी)

अमेरिका में खेली जा रही फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग मेजर लीग क्रिकेट के चौथे सीजन का एलिमिनेटर मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क की टीम के बीच में ओकलैंड के स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी एमआई न्यूयॉर्क टीम के कप्तान निकोलस पूरन के बल्ले से तूफानी शतकीय पारी देखने को मिली जिसके दम पर उन्होंने एमएलसी में सबसे तेज शतक लगाने के रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया। निकोलस पूरन ने सिर्फ 31 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया जिसके दम पर उनकी टीम एमआई न्यूयॉर्क 20ओवरर्स में 266रनों का स्कोर बनाने में कामयाब रही।

पूरन ने तोड़ा फिन एलन का रिकॉर्ड एमएलसी में एमआई न्यूयॉर्क टीम की कप्तानी संभाल रहे निकोलस पूरन का पिछले काफी लंबे समय से बल्ला शांत देखने को मिल रहा था, जिसमें आईपीएल 2026के सीजन में भी वह कुछ खास नहीं कर सके थे। वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क की टीम ने सिर्फ 9 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवा दिया था। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे निकोलस पूरन ने तूफानी अंदाज में रन बनाने का सिलसिला शुरू किया जिसमें उनके और क्रिंटन डी कॉक के बीच में दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 42गेंदों में 118रनों की साझेदारी देखने को मिली। पूरन ने इस मैच में सिर्फ 31गेंदों में 13छक्के और 5 चौकों के दम पर अपना शतक पूरा कर लिया। निकोलस पूरन इसी के साथ मेजर लीग क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए जिसमें इससे पहले ये रिकॉर्ड फिन एलन के नाम पर था जिन्होंने 34गेंदों में शतकीय



पारी खेली थी। पूरन 33गेंदों में 106रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौटे।

एमएलसी में इस सीजन बना चुके हैं 400 से अधिक रन पूरन

निकोलस पूरन का एमएलसी के चौथे सीजन में बल्ला जमकर बोलते हुए दिखाई दिया है, जिसमें उन्होंने कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के साथ 11 मैचों की 11 पारियों में बल्लेबाजी की और 47.11के बेहतरीन औसत के साथ अब तक 424 रन बनाने में कामयाब हुए हैं। पूरन के बल्ले से इस दौरान एक शतकीय और तीन अर्धशतकीय पारियां देखने को मिली हैं। वहीं पूरन इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं, जिसमें टॉप पर सेन फ्रेंक्सिको यू निकॉन की तरफ से खेल रहे लुहान-ड्रे प्रेटोरियस हैं जो 447 रन इस सीजन बना चुके हैं।

आपस में बात नहीं करते विराट कोहली और गौतम गंभीर, मीडिया रिपोर्ट के दावे ने छेड़ी नई बहस



नई दिल्ली (एजंसी)

इंग्लैंड से बुरी तरह टी 20सीरीज टीम इंडिया में सबकुछठीक नहीं चल रहा है।?कुछ मीडिया रिपोर्ट्समें दावा किया जा रहा है कि स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच अनबन की अटकलें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स?के कथित दावे के मुताबिक कोहली और गंभीर के बीच बातचीत भी नहीं हो रही है। वैसे भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे आज बर्मिंघम में खेला जा रहा है।?रिपोर्ट के मुताबिक एजबेस्टन में अभ्यास के दौरान दोनों ने आपस में बात नहीं की। गंभीर बाकी खिलाड़ियों से बात कर रहे थे। उन्हें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, केएल राहुल से बात करते हुए देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक एजबेस्टन में अभ्यास के दौरान दोनों ने

आपस में बात नहीं की। गंभीर बाकी खिलाड़ियों से बात कर रहे थे। उन्हें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, केएल राहुल से बात करते हुए देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक विराट कोहली जब नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो गंभीर दूर से ही उन्हें देखते रहे। इसके बाद विराट की प्रैक्टिस जब खत्म हुई तो उन्होंने हेड कोच से कोई बात नहीं की और सीधे बैटिंग कोच सिताशु कोटक से जाकर मिले। विराट ने बैटिंग कोच से लंबी चर्चा की। सिर्फ?इतना ही नहीं, गंभीर जब टीम के अन्य खिलाड़ियों के संग बातचीत कर रहे थे तो विराट कोहली उन्हें इंगोर करते हुए अपना किट बैग लिए आगे निकल गए।?इस पूरी घटना के बाद अब ये कहा जा रहा है कि टीम इंडिया में नया विवाद शुरू हो गया है।

विश्व कप से हटाए जाने के बाद डच रेफरी का निधन, 38 साल में धमी जिंदगी

लंदन (एजंसी)

डच फुटबॉल रेफरी रॉब डाइपरिक का निधन हो गया है। उन्हें ब्रिटेन में दर्ज एक पुलिस केस के बाद वर्ल्ड कप में रेफरी की भूमिका से हटा दिया गया था, हालांकि बाद में वह केस वापस ले



लिया गया था।

डाइपरिक की मौत की वजह नहीं बताई गई है। नीदरलैंड्स के फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा कि वे डीपरिक की मौत से हैरान और बहुत दुखी हैं। एसोसिएशन ने कहा, रॉब डीपरिक के निधन से हम हैरान और बहुत दुखी हैं। रॉब के जाने से फुटबॉल की दुनिया ने अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले एक बहुत सम्मानित रेफरी को खो दिया है, लेकिन सबसे बड़का, हमने एक बेहतरीन साथी खो दिया है।

डच फुटबॉल एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, हमारी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और उन सभी लोगों के साथ हैं जो उनके करीबी थे। हम कामना करते हैं कि इस बड़े नुकसान को सहने के लिए उन्हें हिम्मत और सांत्वना मिले।

फीफा ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा, पूरे फुटबॉल समुदाय की ओर से हम उनके परिवार, दोस्तों और डच फुटबॉल एसोसिएशन के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

हार के बाद भी हीरो बनी नार्वे की टीम, ओस्लो में हुआ शानदार स्वागत



ओस्लो (एजंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026के क्वाटर-फाइनल तक के ऐतिहासिक सफर के बाद नार्वे के नेशनल टीम के खिलाड़ियों का स्वागत रॉयल पैलेस के बाहर स्वागत किया गया। इस दौरान हजारों प्रशंसकों ने टीम के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। अनुमान के मुताबिक, 90हजार समर्थकों ने पैलेस स्थान पर टी म का जोरदार स्वागत किया। शनिवार को नार्वे को मियामी में इंग्लैंड के खिलाफ उन्हें एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। यह नतीजा नार्वे का फीफा वर्ल्ड कप में अब तक का सबसे अच्छा दर्शन था।आमर्टिन ओडेगार्ड ने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी ने भी ऐसी कल्पना की होगी। हमें जो समर्थन मिला है, वह उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा है। चाहे अमेरिका में हो या यहां नार्वे

में। यह देखना वाकई अद्भुत रहा है।

नार्वे के कोच स्टेल् सोलब्रकने ने कहा, राजा ने हमें पहले ही बता दिया था कि क्या होने वाला है। हम भी थोड़े हैरान थे कि यह इतना बड़ा आयोजन था। इसके अलावा, फुटबॉल पर कुछ अच्छी बातचीत भी हुई।

हालांकि , टीम के टॉप स्कोरर एलिंग हार्लैंड और सैंडर बर्गे इस पब्लिक सेलिब्रेशन में शामिल नहीं हो पाए क्योंकि उन्हें छुट्टी मनाने के लिए दूसरी फ्लाइट पकड़नी थी।

एनआरके के अनुसार सोलब्रकने ने कहा, वे दोनों आए और राजा से बात की, लेकिन हम चार-पांच घंटे देर से पहुंचे थे। उन्हें प्लेन पकड़ने के लिए निकलना था, लेकिन वे पैलेस के अंदर गए और राजा हेराल्ड से बातचीत की। जाने से ठीक पहले तक उन्होंने पूरे प्लान का पालन किया।